▪ फाल्गुन कृष्ण - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 203 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 18-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पित्रोदा की कथित टिप्पणी पार्टी की राय नहीं, चीन सबसे बड़ी चुनौती : कांग्रेस

6 भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

7 अदाणी समूह देशभर में 20 स्कूलों की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपए का योगदान देगा

फर्स्ट टेक

बाफ्टा में 'कॉन्क्लेव' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

लंदन/एपी। थ्रिलर फिल्म 'कॉन्क्लेव'' ने रविवार को 78वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित चार पुरस्कार जीते। वहीं, कई तरह के विवादों में घिरी संगीतमय फिल्म ''एमिलिया पेरेज'' ने भी कई पुरस्कार अपने नाम किए। 'द ब्रूटलिस्ट' ने भी चार पुरस्कार हासिल किए, जिसमें ब्रैडी कॉर्बेट को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और एड्रियन ब्रॉडी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। ''एनोरा'' के लिए मिकी मैडिसन ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। ''कॉन्क्लेव'' में नए पोप के चुनाव से जुड़ी कहानी है। इसमें राल्फ फिएन्स कार्डिनल की भूमिका में हैं। इस फिल्म ने ''द ब्रूटलिस्ट'', ''एमिलिया पेरेज'', बॉब डायलन की ''बायोपिक ए कम्प्लीट अननोन'' को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब हासिल किया। ''कॉन्क्लेव'' को उत्कृष्ट ब्रिटिश फिल्म का पुरस्कार मिला और इसने संपादन और रूपांतरित पटकथा के लिए भी ट्रॉफी जीती। सहायक कलाकार का पुरस्कार ''ए रियल पेन'' के लिए अभिनेता किरन कल्किन को तथा ''एमिलिया पेरेज'' के लिए अभिनेत्री जो सलदाना को मिला।

पुणे में फ्लैट में 300 बिल्लियां रखने पर मकान मालिक को नोटिस

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पशुपालन विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने पुणे में एक आवासीय सोसाइटी के फ्लैट का दौरा किया, जहां 300 बिल्लियां पाले जाने की शिकायत मिली थी। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हडपसर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि फ्लैट मालिक को बिल्लियों को उचित स्थान पर पहुंचाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा, ''हडपसर में मार्वल बाउंटी हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों ने शिकायत की थी कि एक फ्लैट मालिक ने अपने फ्लैट के अंदर 300 से अधिक बिल्लियां पाल रखी हैं, जिससे सफाई संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। बिल्लियों के कारण लगातार दुर्गंध और अत्यधिक शोर की खबरें थीं।''

शहजादी के मामले पर लगातार नजर रख रहा भारतीय दूतावास : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में विभिन्न आरोपों के तहत जेल में बंद भारतीय नागरिक शहजादी को 24 घंटे के भीतर फांसी दिये जाने संबंधी खबरें गलत हैं, और दूतावास मामले पर लगातार नजर बनाये हुए है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, शहजादी के मामले में 'समीक्षा याचिका' दायर की गई है और मामला विचाराधीन है।

सूर्यास्त 18-02-2025 6:15 बजे | सूर्योदय 19-02-2025 6:29 बजे

BSE	NSE
75,996.86	22,959.50
(+57.65)	(+30.25)

सोना	चांदी
8,919 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटकों से लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए।

दिल्ली-एनसीआर में 4.0 की तीव्रता के भूकंप के तेज झटके

मोदी ने दिल्लीवासियों से शांत रहने का किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 5:37 बजे आया। इसका केंद्र राष्ट्रीय राजधानी में जमीनी सतह से 5 किलोमीटर नीचे था। दिल्ली के अलावा, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटकों के कारण घरों के पंखे तेज़ी से हिलने लगे और बर्तन खड़कने लगे, जिससे लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्लीवासियों से शांत रहने का आग्रह करते हुए कहा, सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की जाती है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भूकंप काफी डरावना था और महादेव से सुरक्षा की प्रार्थना की।

धौला कुआं स्थित झील पार्क में 20-25 साल पुराना एक पेड़ गिर गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ श्रेणी में आता है, जहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं। पिछले महीने, सात जनवरी को भी भारत, नेपाल और बांग्लादेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि या नुकसान की सूचना नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने लोगों से आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल करने की सलाह दी है, अगर किसी प्रकार की परेशानी हो।

दौरा

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी भारत के दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे। वह मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी परंपरा से हटकर, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अपने भाई, कतर के शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे गया। भारत में उनके सफल प्रवास की कामना करता हूं और कल हमारी बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं।'' विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा था कि उनकी यात्रा ''विभिन्न क्षेत्रों में हमारी बढ़ती साझेदारी को और गति प्रदान करेगी।'' बयान में कहा गया था कि कतर के अमीर के साथ मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल सहित उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा।

दिल्ली में 20 फरवरी को शाम साढ़े चार बजे होगा शपथ ग्रहण समारोह!

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के रामलीला मैदान में 20 फरवरी को शपथ लेने की संभावना है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को शाम साढ़े चार बजे होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों की एक बैठक भी होगी। सूत्रों ने बताया कि बैठक के बाद सभी मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि अब भाजपा विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी। विधायक दल की बैठक में नेता का चयन किया जाएगा जो दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री होगा।

नवाचार और उद्यमिता के ध्वजवाहक बनेंगे भारत के विद्यार्थी : धर्मेन्द्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के 126वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि अगले दो दशकों में भारत के विद्यार्थी नवाचार, उद्यमिता, रोजगार के अवसर और सम्पत्ति-सृजन के क्षेत्र में विश्व में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भविष्य में धन-सृजन, नौकरी-सृजन, डीप-टेक इनोवेशन, नीति-निर्माण और वैश्विक नागरिक बनेंगे।

इस अवसर पर, प्रधान ने कॉलेज की नई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया, जिसे जैक्कार फाउंडेशन के सहयोग से चार मंजिलों तक विस्तारित किया गया है। उन्होंने दिवंगत कृष्ण दास गुरवाले को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी मेहनत से हिंदू कॉलेज की नींव मजबूत हुई।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में शिक्षा का अहम योगदान बताते हुए प्रधान ने कहा कि हिंदू कॉलेज जैसे संस्थान देश के बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान को आकार दे रहे हैं। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया और विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए पुरस्कार मिले।

प्रधान ने मणिपुर की विस्थापित महिलाओं को सशक्त बनाने वाले हिंदू कॉलेज के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी सराहना की।

चुनाव आयोग को अलविदा कहा राजीव कुमार ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। निवर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को कहा कि भारतीय चुनाव प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी और पारदर्शी चुनाव प्रणालियों में से एक है तथा देश लोकतंत्र का एक चमकता प्रकाश-स्तम्भ है।

देश के 25वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार का भारतीय निर्वाचन आयोग में मंगलवार को आखिरी दिन है। उन्होंने राजधानी में आयोग के मुख्यालय पर आयोजित विदाई समारोह में कहा, भारत को लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने गुणों के साथ दुनिया के तमाम देशों के लिए प्रेरणा का विषय है। हमें अपनी इस 'सॉफ्ट पावर' (इस प्रतिष्ठा की शक्ति) का फायदा उठान चाहिए।

कुमार ने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मैं आयोग

को अधिक समर्थ, प्रतिबद्ध और पेशेवर हाथों में छोड़कर विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आयोग को लेकर समय-समय पर उठाए जाने वाले सवालों का भी उल्लेख किया और कहा, एक संस्था के रूप में चुनाव आयोग पर अक्सर अनुचित आरोप लगते रहते हैं और ये आरोप लोगों की तरफ से होते हैं, जो चुनावी परिणाम को स्वीकार करने को तैयार नहीं होते हैं।

उन्होंने चुनाव के बाद आयोग को निशाना बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति को एक बड़ी चिंता का विषय बताया और कहा कि मान लिया गया है कि इस संस्था को बड़ी आसानी से बलि का बकरा बनाया जा सकता है।

> ▪ **एक संस्था के रूप में चुनाव आयोग पर अक्सर अनुचित आरोप लगते रहते हैं और ये आरोप लोगों की तरफ से होते हैं, जो चुनावी परिणाम को स्वीकार करने को तैयार नहीं होते हैं।**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किए गए ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी। कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक रहेगा, जिसके कुछ दिन बाद निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। हरियाणा कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी विवेक जोशी को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है।

कुमार 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस वर्ष के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव और 2026 में केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

जमा बीमा की सीमा पांच लाख रुपए से बढ़ाने पर विचार कर रही है सरकार

मुंबई/भाषा। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, मुद्दा बीमा सीमा बढ़ाने का है... इसपर सक्रियता से विचार किया जा रहा है। जैसे ही सरकार मंजूरी देगी, हम इसकी अधिसूचना जारी कर देंगे। हालांकि, नागराजू ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के संकट पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देख रहा है।

जमा बीमा दावा तब शुरू होता है जब कोई ऋणदाता डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में निक्षेप बीमा व प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ऐसे दावों का भुगतान करता रहा है। यह निकाय अपने द्वारा प्रदान किए जाने वाले कवर' के लिए बैंकों से प्रीमियम एकत्र करता है और अधिकतर दावे सहकारी ऋणदाताओं के मामले में किए गए हैं। गौरतलब है कि कि पीएमसी बैंक घोटाले के बाद डीआईसीजीसी बीमा सीमा 2020 में एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई थी।

आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि सहकारी बैंकिंग क्षेत्र आरबीआई की निगरानी में अच्छी तरह विनियमित है।

विदेश भेजने के नाम पर युवाओं को ठगने वाले सात जालसाज गिरफ्तार

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में पुलिस ने फर्जी अंकपत्र के जरिए विदेश भेजने का झांसा देकर युवाओं को ठगने वाले गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) विक्रम दहिया ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है और दो फरार आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेचारे लोग

भगदड़ में मर गए लोग कई,
किसकी बोलो जिम्मेदारी।
स्टेशन का कौन नियंत्रक है,
जो रखे व्यवस्थाएं सारी।
आरोपों प्रत्यारोपों की,
तलवारें चलती दोधारी।
क्या करे मरे जिनके परिजन,
जिनकी किस्मत थी बेचारी।।

स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाना चाहिए या नहीं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया भर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसे में कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों (या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत) ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। 2024 के अंत तक 19 और शिक्षा प्रणालियां इस सूची में शामिल हो गईं, जिससे इसकी संख्या बढ़कर 79 (या 40 प्रतिशत) हो गई।

भारत ने अब तक शैक्षणिक संस्थानों में स्मार्टफोन के उपयोग पर कोई विशिष्ट कानून या नीति नहीं बनाई है। पिछले साल कुछ प्रतिबंध और भी सख्त किए गए हैं। उदाहरण के लिए, चीन के झेंग्झौ शहर ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में फोन के इस्तेमाल संबंधी प्रतिबंध कड़े कर दिये और अभिभावकों से लिखित सहमति मांगी गई कि क्या फोन वास्तव में शैक्षणिक कारणों से जरूरी है।

फ्रांस में निम्न माध्यमिक स्तर के स्कूलों में ''डिजिटल ब्रेक'' (डिजिटल उपकरणों से दूरी) का सुझाव दिया गया है। फ्रांस में अन्य शिक्षा स्तरों पर पहले से ही फोन पर प्रतिबंध है। इसके विपरीत, सऊदी अरब ने चिकित्सा उद्देश्यों के मद्देनजर दिव्यांग समूहों द्वारा विरोध के कारण अपने प्रतिबंध को वापस ले लिया।

> ▪ **भारत ने अब तक शैक्षणिक संस्थानों में स्मार्टफोन के उपयोग पर कोई विशिष्ट कानून या नीति नहीं बनाई है। पिछले साल कुछ प्रतिबंध और भी सख्त किए गए हैं।**

'जीईएम' टीम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, (शैक्षणिक प्रणालियों के) इस मानचित्रण में संघीय देशों के सभी उप-राष्ट्रीय क्षेत्राधिकारों को शामिल नहीं किया गया है, हालांकि चार का विस्तार से मूल्यांकन किया गया है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में नौ क्षेत्रों में से दो (न्यू साउथ वेल्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया) ने प्रतिबंध लगाए हैं, जबकि स्पेन में 17 स्वायत्त समुदायों (बास्क कंट्री, स्पेन के पूर्वोत्तर भाग में स्थित एक स्वायत्त समुदाय), ला रियोजा, नवरे) में से तीन को छोड़कर सभी ने प्रतिबंध लगाए हैं। अधिकारी ने कहा, अमेरिका के 50 राज्यों में से 20 में अब नियम लागू हैं, जिनमें कैलिफोर्निया में फोन-मुक्त स्कूल अधिनियम से लेकर फ्लोरिडा में 'के-12' कक्षाओं में फोन प्रतिबंध, इंडियाना में छात्रों द्वारा पोर्टेबल वायरलेस डिवाइस के उपयोग पर प्रतिबंध तथा ओहायो में एक अन्य प्रतिबंध शामिल हैं। पूर्ण प्रतिबंधों के अलावा, कुछ देशों ने निजता संबंधी चिंताओं के कारण शिक्षा सेटिंग्स' से विशिष्ट ऐप्लिकेशन के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क और फ्रांस दोनों ने गूगल वर्कस्पेस' पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि जर्मनी के कुछ राज्यों ने माइक्रोसॉफ्ट उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ये प्रतिबंध शिक्षा के स्तर के अनुसार भी अलग-अलग हैं। अधिकतर देश प्राथमिक स्कूलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और इजराइल जैसे कुछ देश 'किंडरगार्टन' स्तर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। तुर्कमेनिस्तान जैसे अन्य देशों ने प्रतिबंध को माध्यमिक विद्यालय तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा, महामारी के दौरान 42 में से 39 सरकारों ने ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को बढ़ावा दिया। एक समीक्षा से पता चला है कि कुछ तकनीक कुछ संदर्भों में सीखने में सहायता कर सकती है, लेकिन जब इसका अत्यधिक उपयोग किया जाता है या अनुचित तरीके से उपयोग किया जाता है, तो ऐसा नहीं हो सकता। कक्षा में स्मार्टफोन होने से पढ़ाई बाधित हो सकती है। 14 देशों में 'प्री-प्राइमरी' से उच्च शिक्षा तक के एक अध्ययन में पाया गया कि इससे छात्रों का ध्यान पढ़ाई से भटक जाता है। 'जीईएम रिपोर्ट' 2023 के अनुसार, सिर्फ मोबाइल फोन पास में होने और उस पर नोटिफिकेशन आने से भी छात्रों का ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि एक बार ध्यान भटक जाने के बाद छात्रों को पढ़ाई पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में 20 मिनट तक का समय लग सकता है। रिपोर्ट में उद्धृत एक अध्ययन के अनुसार, बेल्जियम, स्पेन और ब्रिटेन के स्कूलों से स्मार्टफोन हटाने से पढ़ाई के नतीजों में सुधार हुआ, खासकर उन छात्रों के लिए जो अपने साथियों की तरह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे थे।

गुरु खेतेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, मंदिर में हुई विशेष सजावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महानगर के साहुकारपेट क्षेत्र के समुद्र मुदली स्ट्रीट स्थित खेतेश्वर भवन में श्री राजपुरोहित ट्रस्ट द्वारा 26वाँ वार्षिकोत्सव बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। बगसिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में खेतेश्वर भवन से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में आस्था का जनसैलाब के रुप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। शोभायात्रा में कई आकर्षक झांकियां सजाई गई थी। शोभायात्रा पर श्रद्धालु सडक के दोनों किनारों एवं घरों की छतो पर खड़े होकर पुष्प वर्षा कर रहे थे । शोभायात्रा सुबह खेतेश्वर भवन समुद्र मुदली स्ट्रीट से रवाना होकर मिन्ट स्ट्रीट, आदियाप्पा नायकन, गोविन्दाप्पा नायकन, एनएससी बोस रोड़, नैनियाप्पा मैस्त्री स्ट्रीट,रासाप्पा चेट्टी स्ट्रीट तथा साहुकारपेट क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः खेतेश्वर भवन पहुंची। पंडित मुरली शर्मा एवं अन्य आचार्यों कि

मौजूदगी विधि विधान तथा मंत्रोच्चार के साथ पुजा अर्चना के साथ महाआरती, अभिषेक पूजा की गई। इस मौके पर राजपुरोहित ट्रस्ट द्वारा महाप्रसादी के लाभार्थी परिवार मीठालाल, जालमसिंह, कल्याणसिंह, नरपतसिंह, गोपालसिंह जागरवाल परिवार का सम्मान किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे छह घोड़ों के रथ पर सवार श्रद्धालु हाथ में धर्म ध्वजा लिए खेतेश्वर महाराज, आत्मानंदजी महाराज एवं ब्रह्मधाम आसोतरा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में राजपुरोहित समाज के श्रद्धालु एवं भक्तगण अपनी रंग बिरंगी राजस्थान पगड़ी, केसरिया साफे एवं धोती पहने एवं महिलाएं राजस्थानी वेशभूषा में सज धज कर मंगलगीत गाती हुई चल रही थी। उसने पीछे चेन्नई का गोपाल बैण्ड अपनी स्वर लहरियां बिखेरता चल रहा था। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर एवं समुद्र मुदली स्ट्रीट को लाईट डेकोरेशन, तोरणद्वार तथा रोशनी से सजाया गया था। इस मौके पर मंदिर में खेतेश्वर महाराज की प्रतिमा का विशेष आकर्षण श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर गुरुदेव के दर्शन किए। महोत्सव में चेन्नई महानगर के अलावा बेंगलूरु, हैदराबाद, कोयम्बतूर, सेलम, मदुरै, अहमदाबाद, मुंबई, सूरत राजस्थान से आए श्रद्धालुओं ने खेतेश्वर महाराज के दर्शन लाभ लिया।कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के उपचेयरमैन हंसराज कैलाशनगर ने किया। ट्रस्ट के उप मैनेजिंग ट्रस्टी करणराज सियाणा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल बासडाधनजी, उपकोषाध्यक्ष दशरथसिंह सांकरणा ट्रस्टी भीमराज तोगोणी, हरिसिंह नून, भोनसिंह बासडाधनजी, गिरधारीलाल कालंद्री, मगनलाल मणोरा, कालूराम मुडतरा सीली ने व्यवस्था संभाली।

तेरापंथ मुनिश्री हिमांशुकुमार व रश्मिकुमार का हुआ आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुम्भकोणम। तेरापंथ संघ के मुनिश्री हिमांशुकुमारजी एवं मुनिश्री रश्मिकुमारजी का आध्यात्मिक मिलन कुम्भकोणममें हुआ। मिलन का नजारा देख कर सभी मंत्र मुग्ध हो गए। जुलूस के साथ दोनों संतों का प्रेमा हॉल में प्रवेश हुआ। सभा से राजेश सेठिया ने मुनिवृंदों तथा सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। मदुरै तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश कोठारी, तिरुपुर सभा अध्यक्ष अनिल आंचलिया आदि ने गीत गाया।

मदुरैवासियों ने मुनिश्री हिमांशुकुमारजी का चातुर्मास मदुरै को प्रदान करते व गुडियातमवासियों ने मुनिश्री रश्मिकुमारजी का चातुर्मास प्रदान

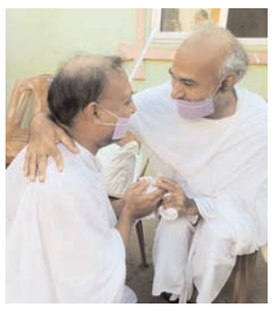

करने के लिए आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। यह मिलन सभी के लिए एक आध्यात्मिक सौभाग्य और आत्मोत्थान का अवसर है।

मुनिश्री रश्मिकुमारजी ने मुनिश्री हिमांशुकुमारजी एवं हेमंतकुमार जी के बारे में कई विशेषताएं बताते हुए कहा कि हिमांशुकुमारजी जैसे संतो का संघ में होना अपने आप में विलक्षण बात है। वे एक ही 11 के बराबर है। वहीं मुनि श्री हिमांशु कुमार जी ने भी कुम्भकोणम समाज को सक्रिय बताते हुए मुनिश्री रश्मिकुमार के बारे में भी उनकी सरलता, विशेषता आदि बताते हुए मुनि प्रियांशुकुमारजी का भी जिक्र करते हुए बताया कि संत मिलन आध्यात्मिक आत्माओं का मिलन होता है, जो संघ की प्रभावना में सहायक होता है। मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने भी अपने भाव रखे। संतो के इस अध्यात्मिक मिलन समारोह में मदुरै, शिवकाशी, गुड़ियातम ,सिरकाली, मायावरम, त्रिचि, तिरुवन्नामलाई, चिदंबरम, पोरयार वेल्लोर, माधनूर आदि 11 क्षेत्रों से लोग उपस्थित हुए। संचालन मुनिश्री प्रियांशुकुमार जी ने किया।

पारीक सुपर किंग्स ने जीता पीसीएल-6 का खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय पारीक समाज कर्नाटक द्वारा पीसीएल-6 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बीपीएस ग्राउंड पर रविवार को हुआ। इस प्रतियोगिता में पारीक सुपर किंग्स, बर्बरीक ब्लास्टर, जोशीले राईडर, बेंगलूरु वारियर्स, युनाइटेड गार्डन, कोलार सुपर किंग्स कुल 6 टीमों ने भाग लिया। कोलार सुपर किंग्स व पारीक सुपर किंग्स फाइनल में पहुंची और पारीक सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'पांडिया क्रिकेट कप' पर कब्जा किया।

पुखराज, अमरचंद, राजेश पांडिया परिवार इस प्रतियोगिता के प्रायोजक रहे। समाज के विभिन्न सदस्यों ने प्रायोजक के रुप में सहयोग किया। अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक ने सभी का स्वागत किया तथा प्रायोजकों को धन्यवाद दिया।सचिव रामवतार जोशी ने सभी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। रमेश पारीक, विष्णु पारीक, राकेश जोशी, रामनिवास पांडिया व भवानी पारीक ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज सदस्य परिवार उपस्थित थे। विमलेश जोशी ने मंच संचालन किया।

जिला पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की बैठक में हुई विभिन्न विषयों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के दि कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा रविवार को स्थानीय जल क्रीड़ा केंद्र कोवै में संपन्न हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतम कोचर की अध्यक्षता में आयोजित सभा की शुरुआत उपाध्यक्ष घीसुलाल हिंगड़ के मंगलाचरण से हुई। संचालन करते हुए सचिव अनिल बोहरा ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया।

सभा में करीब 100 सदस्यों ने भाग लिया। सह सचिव तेजाराम बर्फा, कार्यकारिणी सदस्य राजेशकुमार गादिया, राजेश कुमार मुथा, भंवरलाल सीरवी, बाबूलाल सीरवी, अमराराम सीरवी, दिनेश पीपाड़ा, शेशाराम सीरवी, नवरतन कोचर, जीवाराम सीरवी, धर्मीचंद सीरवी सहित अन्य पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। एसोसिएशन के पूर्व सचिव बालचंद चोरड़िया भी उपस्थित थे। सभा में कई सदस्यों ने अपने सुझाव रखे जिसमें से सर्वसम्मति से कुछ प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

डायनेमिक फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट एंड फ्रेंड्स क्लब ने मनाया गूंज कार्निवल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के डायनेमिक फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट और फ्रेंड्स क्लब द्वारा लक्ष्मी महल के प्रांगण में 'गूंज कार्निवल' का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के 7 अनाथाश्रम से लगभग 350 बच्चों, अभिभावक एवम् उम्रदराज लोगों के साथ पूरा दिन बिताया। ट्रस्ट ने जैन डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ मिलकर सभी बच्चों और बड़ों की चिकित्सकीय जांच कर यथायोग्य दवाई उपलब्ध करवाई। सभी के लिए मनोरंजन हेतु गेम्स के स्टाल लगाए गए। प्रतिज्ञा हरण द्वारा स्टोरी टेलिंग की रोचक प्रस्तुति दी गई। ट्रस्ट अध्यक्ष अरविन्द बागरेचा एवं क्लब अध्यक्षा पिंकी भंडारी ने ट्रस्ट और क्लब की 18 वर्ष की यात्रा बताई। मुख्य अतिथि एवं किड्स कमेटी के वर्ष भर के प्रायोजक खजांची ज्वेलर्स के राजेश बिंदु मेहता ने कार्यक्रम की सराहना की। इनर व्हील क्लब के जिला अध्यक्षा फातिमा नजीरा ने भी बच्चों को अपने आत्मविश्वास को बरकरार रखने का जादुई नुस्खा बताया। इस आयोजन में डायनेमिक फ्रेंड्स क्लब किड्स समिति डायरेक्टर अनिल सुभद्रा लुणावत एवं रवि कोमल नाहर, विशाल राखी चौरडिया, मनीष योगिता सुराणा, विवेक शिल्पा कोठारी, मुकेश हर्षा सुराणा, शिव आरती छाजेड़, महेश विनीता तालेड़ा, डिंपल बोहरा, संध्या बाफना, डॉली जैन, पूर्णिमा चौरडिया, बिंदु मेहता आदि का विशेष सहयोग रहा। ट्रस्ट द्वारा वर्ष भर के विभिन्न सहयोगियों का भी मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। अनिल लुणावत ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन विवेक कोठारी एवं सुभद्रा लुणावत ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रोफेसर भागचंद्र जैन हुए डॉ.नेमीचंद जैन मेमोरियल पुरस्कार के लिए चयनीत

लेखक को दिया जाएगा 2 लाख रुपए का पुरस्कार

चेन्नई/दक्षिण भारत। भगवान महावीर फाउंडेशन द्वारा रविवारको डॉ. नेमीचंद जैन मेमोरियल अवार्ड विजेता की घोषणा की गई। प्रोफेसर भागचंद्र जैन 'भास्कर' द्वारा लिखित जैन सांस्कृतिक चेतना के स्वर को चौथे डॉ.नेमीचंद जैन मेमोरियल पुरस्कार के लिए पुरस्कार विजेता के रूप में चुना गया है। पुरस्कार में 2 लाख रुपए की नकद राशि, एक स्मृति चिन्ह और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है। पुरस्कार विजेता को जल्द ही आयोजित एक औपचारिक समारोह में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हिंदी या अंग्रेजी में लिखी गई उत्कृष्ट, प्रकाशित और अप्रकाशित पुस्तकों को मान्यता देता है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं को बढ़ावा देती हैं। फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष के नेमीचंद पुरस्कारके लिए 31 पुस्तकों (8 अंग्रेजी और 23 हिंदी) पर विचार किया गया। मद्रास विश्वविद्यालय के जैनोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ प्रियदर्शना जैन और शासुन जैन कॉलेज के प्रोफेसर डॉ ज्ञान जैन के नेतृत्व में मूल्यांकनकर्ताओं की एक टीम के अनुसार यह पुस्तक ऐतिहासिकता, कला, संस्कृति, परंपरा और जैन धर्म के विभिन्न पहलुओं का एक व्यापक संकलन प्रस्तुत करती है। भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक एन.सुगलचंद जैन, ट्रस्टी विनोद कुमार और सलाहकार के.नंदकिशोर, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) उपस्थित थे।

बेंगलूरु में होगा साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्री की शिष्याओं का आगामी चातुर्मास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणिप्रभसूरीश्वरजी द्वारा बाडमेर में जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गच्छगणिनीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी की सुशिष्याओं का चातुर्मास प्रदान करने की घोषणा की है। साध्वीवर्याओं के नामों की घोषणा बाद में की जाएगी। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने इस घोषणा का स्वागत किया और कहा कि इससे सकल संघ में हर्ष व्याप्त हो गया है। ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि साथ ही आचार्यश्री ने श्री मलयप्रभसागरजी और मुकुलप्रभसागरजी के पढ़ाई के लिए चातुर्मास की भी बसवनगुडी संघ में करने की घोषणा की है। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि बाडमेर में गच्छाधिपति द्वारा घोषणा के समय दादावाड़ी ट्रस्ट से संघवी तेजराज गुलेच्छा, संघवी कुशलराज गुलेच्छा, तनसुखराज गुलेच्छा, प्रकाश भन्साली, महावीर मेहता, भरत पालरेचा के साथ अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

विभिन्न कल्याणक भूमियों की संघ यात्रा की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष समारोह के अन्तर्गत जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों की 66 कल्याणक भूमियों के यात्रा संघ का आयोजन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की प्रेरणा से किया जा रहा है।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि शास्त्रों में कहा गया है कि कल्याणक भूमियों की शुद्ध भाव से यात्रा करने से अनेकानेक भवों के कर्म बंधनों से छुटकारा मिल जाता है। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि आगामी 24 फरवरी से 6 मार्च तक यह यात्रा संघ ट्रेन और हवाई जहाज और बसों से उत्तरप्रदेश में स्थित तीर्थंकरों की 66 कल्याणक भूमियों की स्पर्शना, सेवा, पूजा करेगा, जिसमें अयोध्या, शौरीपुर, कौशाम्बी, वाराणसी, इलाहाबाद, आगरा, हस्तिनापुर, हरिद्वार, अहिच्छत्र, कम्पिल, श्रावस्ती, रत्नपुरी तीर्थ शामिल हैं। इस संघ यात्रा के मुख्य सहयोगी संघवी शांतिदेवी, पुखराज, तेजराज गुलेच्छा परिवार, सहसहयोगी अमितकुमार, रमनलाल पारख परिवार, नरेन्द्रकुमार, रवि कुमार रतनबोहरा परिवार, सुशीलादेवी बहादुरकुमार कांकरिया परिवार हैं।

इस संघ यात्रा की व्यवस्थाएं अरविन्द कोठारी, राकेश डाकलिया, रमेश गुलेच्छा, ललित डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, रवि रतनबोहरा, अमित पारख, बहादुर कांकरिया के साथ मंडल के अनेक सदस्य संभाल रहे हैं।

दुराचार से दूर, व्यसनमुक्त यौवन किसी चमत्कार से कम नहीं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। शहर के भगवान महावीर भवन में पंद्रह वर्ष से बड़ी आयु के अविवाहित युवक-युवतियों के यूथ सेमिनार में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिन्हें माता-पिता और बड़े-बुजुर्गों की परवाह न हों, जो जिद्द और गुस्से से भरे हों, जो पैसों की कीमत न समझते हों, झूठ बोलना जिन्हें अच्छा लगता हों, जो व्यसनों में आसक्त हों, जिन्हें नाचने-खेलने, घूमने-फिरने, सजने-संवरने में समय व्यर्थ करना अच्छा लगता हों, ऐसे युवा क्या खाक राष्ट्र, समाज या धर्म का भला करेगा ? वे स्वयं का भला कर लें तो भी काफी हैं। जो पूरे दिन मोबाइल पर टिके रहते हैं और इधर-उधर भटकते रहते हैं, वे अपने जीवन में कोई क्रांति नहीं कर सकते। ऐसे यौवन पर तरस आती है। उनसे भविष्य की आशा करना बहुत बड़ी भ्रांति है। निकम्मों के नसीब फूटे हुए नहीं होते, वे निक्कमे और निठल्ले होकर स्वयं अपने नसीब फोड़ते हैं।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि युवावस्था जीवन का स्वर्णिम कालखंड है। सौभाग्य से जीवन को यौवन प्राप्त होता है, लेकिन दृढ़ निष्ठाभावना और अथक पुरुषार्थ से इसका जतन करना होता है। जो व्यक्ति अपनी युवावस्था को व्यर्थ कर देता है, वह अपने अमूल्य जीवन के सुनहरे अवसर को खो देता है। दुराचार, धूम्रपान, शराब, शिकार, मांसाहार, चोरी आदि को जैन साहित्य में दुर्व्यसन कहा गया है। ये व्यसन जिसको भी लग जाते हैं, वे उसे पूरी तरह निगल जाते हैं।

तमिलनाडु में 5800 करोड़ रुपए के अवैध रेत खनन की सीबीआई जांच का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के तटीय जिलों तिरुनेलवेली, तूतोकोरिन और कन्याकुमारी में निजी खनन कंपनियों द्वारा 5,832 करोड़ रुपये का कथित अवैध रेत खनन किए जाने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। इसने एजेंसी को मामले में अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का भी निर्देश दिया और कहा कि मामले में राजनीतिक सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने केंद्रीय एजेंसी से आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने को कहा। पीठ ने एक स्वत: संज्ञान जनहित याचिका, वी.वी. मिनरल्स और 29 अन्य की याचिकाओं पर आदेश पारित किया। उसने कहा कि यह अदालत इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए उपयुक्त मामला मानती है और सीबीआई को आपराधिक मामले दर्ज करने तथा जांच शुरू करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत ने कहा कि सीबीआई निदेशक इस घोटाले की जांच करने के लिए आवश्यक संख्या में एसआईटी गठित करेंगे, जिनमें विशेषज्ञता और उच्च निष्ठा वाले अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, सीबीआई निदेशक को गठित की जाने वाली एसआईटी की जांच की निगरानी करनी होगी। पीठ ने कहा कि जिस मुख्य मुद्दे की जांच की जानी चाहिए, उसमें अवैध तटीय रेत खनन माफिया की कार्यप्रणाली, अधिकारियों की भूमिका शामिल है, जो सरकारी खजाने को हुए इस भारी ''आर्थिक नुकसान'' के लिए जिम्मेदार हैं। इसने कहा कि इस बड़े घोटाले में राजनीतिक सांठगांठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, ''इसलिए सीबीआई को कथित राजनीतिक सांठगांठ की जांच करने का निर्देश दिया जाता है, और निजी खनन कंपनियों के साथ साजिश रचने में नीति बनाने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए।''

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को प्रधान कार्यालय में हिंदू धार्मिक धर्मार्थ विभाग की ओर से 121 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से 16 मंदिरों और एक सहायक आयुक्त कार्यालय भवन में 24 नए परियोजना कार्यों और 50 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से 7 मंदिरों में 15 अधूरे कार्यों का शिलान्यास मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। उन्होंने एक वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना कार्यों का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री पीके शेखरबाबू, मुख्य सचिव डॉ. ना.मुरुकानंदम सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टीटीडी की मुफ्त भोजन योजना के लिए श्रद्धालु ने 11 करोड़ रुपए दान दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। मुंबई के एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 11 करोड़ रुपये का दान दिया है।

प्रसीद ऊनो फैमिली ट्रस्ट के तुषार कुमार ने तिरुमला में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को यह राशि प्रदान की।

मंदिर प्रबंधन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, मुंबई स्थित प्रसीद ऊनो फैमिली ट्रस्ट के श्रद्धालु तुषार कुमार ने सोमवार को श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 11 करोड़ रुपये का दान दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव ने 1985 में प्रतिदिन 2,000 तीर्थयात्रियों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए वेंकटेश्वर नित्य अन्नदानम योजना शुरू की थी।

इस योजना को बाद में 1994 में श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नदानम ट्रस्ट नामक एक स्वतंत्र ट्रस्ट में बदल दिया गया और 2014 में इसका नाम बदलकर श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट कर दिया गया।

दुनिया भर से मिलने वाले दान से वित्तपोषित यह ट्रस्ट राष्ट्रीयकृत बैंकों में धन जमा करता है और अर्जित ब्याज से अपने खर्चों को पूरा करता है। तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक टीटीडी की मेगा रसोई में रोजाना करीब 14 टन चावल तैयार होता है और 10,000 लीटर दूध खरीदा जाता है। हजारों भक्तों को पेय पदार्थ और दिन में तीन बार भोजन मिलता है।

यात्रियों के आराम और सुरक्षा के लिए एलएचबी कोच

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने निम्नलिखित ट्रेनों को पारंपरिक रेकों से लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) रेकों में परिवर्तित करने की अधिसूचना जारी की है, जिसका उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा व आराम को बढ़ाना है। ट्रेन नंबर 17230/17229 सिकंदराबाद-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-सिकंदराबाद सबरी एक्स., ट्रेन सं. 17230 सिकंदराबाद-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल सबरी एक्सप्रेस 18 अप्रैल से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या 17229 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-सिकंदराबाद सबरी एक्सप्रेस 20 अप्रैल से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। एलएचबी रेकों के रूपांतरण के परिणामस्वरूप कोच संरचना के रूप में 1- प्रथम श्रेणी सह एसी टू टियर कोच, 2 - एसी टू टियर कोच, 4- एसी थ्री टियर कोच, 8 - स्लीपर क्लास कोच, 4- सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 - पेंट्री कार, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 - लगेज सह ब्रेक वैन (एलएचबी रेक) होंगे।

चेन्नई में राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे 1,476 पैरा एथलीट

चेन्नई। भारत के लगभग 1,500 पैरा एथलीट मंगलवार से यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरू हो रही 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे। चेन्नई पहली बार इस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा जिसमें 30 टीम के रिकॉर्ड 1,476 पैरा एथलीट 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे जिससे यह देश के सबसे बड़े पैरा एथलेटिक्स आयोजनों में से एक होगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रमुख एथलीटों में सुमित अंतिल (भाला फेंक), मनोज सबापति (व्हीलचेयर रेसिंग), मनोज सिंगराज (गोला फेंक), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद), मुथु राजा (गोला फेंक), होकाटो सेमा (गोला फेंक), नवदीप सिंह (भाला फेंक), और योगेश कथुनिया (चक्का फेंक) शामिल हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया ने एक विज्ञप्ति में कहा, हमें विश्वास है कि चेन्नई में होने वाली यह चैंपियनशिप भारत में पैरा एथलेटिक प्रतियोगिताओं के लिए नए मानक स्थापित करेगी।

उन्होंने कहा, ''155 स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 1,476 पैरा एथलीट की मौजूदगी में यह टूर्नामेंट देश में पैरा खेलों के तेजी से विकास और बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नए युग के साक्षी बन रहे हैं।'' यह प्रतियोगिता तमिलनाडु सरकार द्वारा समर्थित है और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का आयोजित किया जा रहा है जो राज्य के खेल मंत्री भी हैं।

हम भाषा की राजनीति वाले 60 के दशक में नहीं हैं : मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोमवार को मदुरै जिले स्थित भगवान मुरुगा के छह निवासों में एक थिरुपरनकुन्द्रम सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर एवं काशी विश्वनाथ मंदिर में केन्द्रीय मंत्री एल मुरुगन ने पूजा अर्चना की।

मदुरै (तमिलनाडु)। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर लोगों का ध्यान भटकाने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग साठ के दशक में नहीं जी रहे हैं, जहां द्रमुक भाषा के नाम पर राजनीति करे।

मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी कि तमिल इस धमकी को बर्दाश्त नहीं करेंगे कि जब तक तीन भाषा नीति को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक राज्य के लिए कोई धनराशि नहीं दी जाएगी, को लेकर आलोचना करते हुए मुरुगन ने कहा कि राज्य के लोग सीखना और प्रगति करना चाहते हैं। मुरुगन ने यहां प्राचीन श्री मीनाक्षी सुन्दरेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से कहा, मैं परसो वाराणसी में काशी तमिल संगमम कार्यक्रम में था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के लिए कभी धन से इंकार नहीं किया। केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री मुरुगन ने बताया कि तमिलनाडु ने पहले केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं जैसे 'पीएम श्री' को लागू करने के लिए सहमति दी थी। इसके अंतर्गत एनईपी द्वारा परिकल्पित समतापूर्ण, समावेशी और बहुलतावादी समाज के निर्माण के लिए केंद्र, राज्य, केंद्र शासित प्रदेशों और स्थानीय निकायों द्वारा संचालित स्कूलों का विकास किया जाना था। लेकिन वे (राज्य सरकार) 'पीएम श्री' लागू करने के लिए हस्ताक्षर करने के बाद पीछे हट गए। उन्होंने कहा, ''किसी भी योजना के लिए धन स्वीकृत करने को लेकर हमेशा शर्तें होती हैं। 'पीएम श्री' के संबंध में केंद्र ने तमिलनाडु से एनईपी को लेकर सहयोग मांगा और बदले में राज्य को पूर्ण मदद का आश्वासन दिया।'' उन्होंने कहा, कहीं भी यह नहीं कहा गया कि राज्य को धनराशि देने से मना कर दिया जाएगा। प्रधान ने भी यही कहा था। लेकिन मुद्दे को भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। हम 1965 में नहीं रह रहे हैं। लोग, विशेषकर तमिलनाडु के लोग प्रगतिशील हैं और विकास चाहते हैं। वर्तमान परिस्थिति में उन्हें (द्रमुक को) भाषा राजनीति करने की आवश्यकता नहीं है जैसा उन्होंने 1965 में किया था। मुरुगन ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल भाषा के लिए द्रमुक से ज्यादा काम किया है। वह (पीएम) तमिल लोगों से द्रमुक से ज्यादा लगाव रखते हैं।'' उन्होंने यह भी पूछा, क्या समस्या है एनइपी को लागू करने में, जिसका उद्देश्य हमारे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है? मुरुगन ने कहा, ''एनईपी ने प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में दिये जाने पर जोर दिया है। यह नीति 40 वर्षों के विचार-विमर्श और सभी क्षेत्रों के लोगों से परामर्श के बाद तैयार की गई है।''

निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई के नुंगमबक्कम में वल्लुवर कोट्टम के पुनर्निर्माण कार्यों का क्षेत्रीय निरीक्षण लोक निर्माण, राजमार्ग और छोटे बंदरगाह मंत्री ए. वी. वेलुवर ने किया। इस मौके पर विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

तमिलनाडु के साथ 'विश्वासघात' और नई शिक्षा नीति के खिलाफ द्रमुक व सहयोगी दल प्रदर्शन करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु के साथ 'विश्वासघात' करने, उसे 'वित्तीय सहायता से वंचित करने' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जबरन लागू करने के खिलाफ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी दल 18 फरवरी को यहां वृहद प्रदर्शन' करेंगे। सत्तारूढ़ द्रमुक ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी ने केंद्र पर राज्य के अधिकारों पर अतिक्रमण के प्रयास का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन केवल प्रारंभिक कदम है। द्रमुक मुख्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु सरकार से कहा है कि जब तक राज्य नई शिक्षा नीति को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक केंद्र राज्य शिक्षा विभाग को धन जारी नहीं करेगा। वहीं, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तमिलनाडु के लिए धन आवंटन में पक्षपात कर रही हैं और राज्य की परियोजनाओं की अनदेखी कर रही हैं। द्रमुक ने केंद्र सरकार पर राज्यपाल के माध्यम से दखलंदाजी करने, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के जरिए राज्य की शिक्षा प्रणाली को क्षति पहुंचाने और द्रविड़-तमिल विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

इसके अलावा, उसने केंद्र पर राज्य में तीन भाषा नीति की आड़ में हिंदी थोपने का भी आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार तमिलनाडु के साथ विश्वासघात कर रही है और राज्य में केन्द्र सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध प्रदर्शन अपरिहार्य हो गया है।

शुभारंभ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

माननीय तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री श्री. उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई रिबन बिल्डिंग में आयोजित एक समारोह में मेट्रोपॉलिटन चेन्नई कॉर्पोरेशन में 17.95 करोड़ रुपये की 15 परियोजनाओं और चेन्नई जल बोर्ड की ओर से 431.49 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाओं का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने किया। उन्होंने 1428.89 करोड़ की 87 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री मा. सुब्रमण्यम, हिंदू धर्म और धर्मार्थ मंत्री बी.के. शेखरबाबू, चेन्नई महानगर निगम की महापौर आर. प्रिया, संसद सदस्य दयानिधि मारन, श्रीमती तमिज़ाची थंगापांडियन, डॉ. कलानिधि वीरासामी आदि उपस्थित थे।

फिलीपीन में तमिल कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मनीला/भाषा। भारतीय राजदूत हर्ष कुमार जैन ने प्रसिद्ध तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का फिलीपीन में अनावरण किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलीपीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रतिमा का अनावरण शनिवार को सेबू शहर के गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन (जीसीएम) में किया गया।

राजदूत ने कॉलेज में भारत-फिलीपीन सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। दोनों कार्यक्रम भारत और फिलीपीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए। बयान में कहा गया, यह कार्यक्रम जीसीएम द्वारा अपने मुख्य कार्यकारी सलाहकार डॉ. डेविड पिल्लई के नेतृत्व में आयोजित किया गया था, जिन्होंने कॉलेज में तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य शुरू किया था।

कार्यक्रम में भारत और फिलीपीन के सांस्कृतिक दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसमें फिलीपीन की पूर्व राष्ट्रपति ग्लोरिया मैकापगल अरोयो, वरिष्ठ अधिकारी, राजनयिक और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य शामिल हुए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और फिलीपीन ने 26 नवंबर 1949 को औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।

मंदिर उत्सव में हाथियों का उत्पात : मृतकों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। केरल सरकार ने कोझिकोड जिले में एक मंदिर में उत्सव के दौरान दो हाथियों के उत्पात में तीन लोगों की मौत हो जाने के मामले को लेकर मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा राशि देने की घोषणा की है। कोइलांडी के पास मंदिर का दौरा करने के बाद देवस्वोम मंत्री वी. एन. वासवन ने पत्रकारों को यह भी बताया कि घटना में घायल हुए लोगों को समय पर मुफ्त चिकित्सा उपचार मिलेगा।

उन्होंने कहा, यह गुरुवायुर और मालाबार देवस्वोम बोर्ड द्वारा लिया गया एक संयुक्त निर्णय है और देवस्वोम विभाग राशि वितरित करेगा।'' पुलिस के अनुसार, 13 फरवरी को कोइलांडी के पास मनाकुलंगरा मंदिर में उत्सव के लिए लाए गए दो हाथी पटाखे फोड़ने के बाद उग्र हो गए और एक-दूसरे पर हमला करने लगे। लड़ाई के दौरान हाथी वहां मंदिर परिसर के अंदर एक इमारत से टकरा गए, जिससे इमारत की एक दीवार वहां खड़े लोगों पर गिर गई। इस घटना में दो महिलाओं सहित तीन बुजुर्गों की मौत हो गई। इसके बाद हाथी मंदिर परिसर से भाग गए और वहा भगदड़ मच जाने से 20 से अधिक लोग घायल हो गए।

पीतांबरन और गोकुल नाम के दो हाथियों को काबू में करने में करीब दो घंटे लगे। उत्सव के आखिरी दिन मंदिर में भारी भीड़ जमा हुई थी। वसावन सहकारिता एवं बंदरगाह मंत्री भी हैं। उन्होंने इस घटना को दुखद बताया और कहा कि हाथियों की शोभा यात्रा वाले मंदिर उत्सवों को बंदी हाथियों (प्रबंधन एवं रखरखाव) के नियमों के अनुसार आयोजित किया जाना चाहिए। वन मंत्री ससींद्रन ने जिलाधिकारी और उत्तरी क्षेत्र के मुख्य वन संरक्षक (सामाजिक वानिकी) से घटना के संबंध में तत्काल रिपोर्ट मांगी थी।

ज्ञापन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में पुलिस आयुक्त कार्यालय में 17 फरवरी को भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने आयुक्त से मुलाकात कर देश के प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने वाली 'येलो मैगजीन' पत्रिका को बैन करने का ज्ञापन दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश कोषाध्यक्ष एसआर शेखर, भाजपा अल्पसंख्यक नेता वेल्लोर इब्राहिम, जिला अध्यक्ष जे. रमेश सहित अनेक नेता उपस्थित थे।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 17 फरवरी को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को मुख्य सचिवालय में डॉ. एम. सुभाश्री को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित सुपर स्पेशियलिटी नेफ्रोलॉजी श्रेणी में प्रथम अखिल भारतीय स्तर पर स्कोर करने के लिए दिए गए स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र दिखाकर सम्मानित किया गया। सुभाश्री ने पिता मोहना सुन्दरम, मां मल्लिका और भाई अरुण विग्नेश के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

कांग्रेस ने हमेशा जनहित को दलहित से ऊपर रखा है : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। राजस्थान में विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने सर्वदलीय बैठक के बाद कहा है कि कांग्रेस ने हमेशा जनहित को दलहित से ऊपर रखा है।

जूली ने कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले भी हमने बैठक में कांग्रेस का रुख स्पष्ट करते हुये कहा था कि जनहित को देखते हुये सदन को चलाने में सरकार का पूर्ण सहयोग करेंगे और राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस विधायक दल ने सकारात्मक रुख अख्तियार करते हुये अभिभाषण के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं किया, लेकिन यह दुखद रहा कि कुछ मंत्री और सरकार के पक्ष के सदस्य खुद व्यवधान का कारण बनते रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री द्वारा सरकार पर उनके फोन टैपिंग जैसे गम्भीर विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुये इस विषय पर सरकार के जवाब के लिये आसन के माध्यम से कई बार निवेदन किया गया, लेकिन सरकार ने हठधर्मिता को अपनाते हुये विपक्ष की आवाज संख्या और सत्ता बल पर दबाने का प्रयास किया। जूली ने कहा कि सरकार के कुछ मंत्री नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री का जवाब निर्विघ्न हो, इसीलिये नेता विपक्ष को भी नहीं बोलने दिया गया। उन्होंने कहा कि सदन में पैदा किया गतिरोध राज्य सरकार की सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है और विपक्ष सदन को चलाने में सहयोग कर रहा हो तो सरकार को गतिरोध तोड़ने के लिये गम्भीरतापूर्वक सकारात्मक प्रयास करने चाहिये थे, लेकिन सरकार तो स्वयं गतिरोध पैदा करना चाहती थी, तभी सरकार के गृह राज्य मंत्री मीडिया के सामने आकर तो अपना पक्ष रखते हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं देते।

जूली ने कहा कि गृह राज्य मंत्री ने जो मीडिया में कहा, यदि वही बात सदन में कही गयी होती तो विपक्ष भी अपनी आवाज सदन में रख पाता, लेकिन सरकार ने संख्या बल के आधार पर विपक्ष की आवाज कमजोर करने का काम किया, ताकि सरकार की विफलताओं पर पर्दा पड़ा रहे और गरीब की आवाज को सदन के माध्यम से सरकार तक नहीं पहुंचने दिया जाये। उन्होंने कहा कि बजट राज्य की आठ करोड़ जनता से जुड़ा हुआ विषय है और कांग्रेस ने सदैव राज्य के हित को दल के हित से ऊपर रखते हुये निर्णय लिया है। जूली ने कहा कि सदन में कार्यवाही सरकार के रवैये पर निर्भर करती है।

दौरा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सोमवार को कोटा जिला स्थित जे.के. लोन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने गैस रिसाव से प्रभावित बच्चों का हाल-चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके समुचित इलाज के निर्देश दिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी बच्चों से मुलाकात की और डॉक्टरों की टीम को लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के इलाज के लिए बने मेडिकल बोर्ड को भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि घटना की विस्तृत जांच की जाए और इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहयोग और सहायता दी जाएगी। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए फैक्ट्री मालिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

परिवार की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री समाजिक सुरक्षा योजनाओं में बनें भागीदार : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को विधान सभा के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी स्व. गोपाल सिंह की पत्नी श्रीमती पाना कंवर और पुत्र पंकज सिंह को भारतीय स्टेट बैंक की विधान सभा शाखा द्वारा प्रदत्त प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रू. की धनराशि का चैक प्रदान किया।

देवनानी ने विधान सभा कर्मियों का आवहान किया कि वे परिवार की सुरक्षा के लिये प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं में नामांकन कर परिवार की सुरक्षा में भागीदार बनें।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी को विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा की मौजूदगी में एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक एम.जी व्यास और एसबीआई की विधान सभा शाखा के मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना में वार्षिक 20 रू. के प्रीमियम पर 2 लाख रू. का दुर्घटना बीमा और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में वार्षिक 436 रू. के प्रीमियम पर 2 लाख रू. का जीवन बीमा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जा रहा है।

अटल पेंशन योजना में असंगठित क्षेत्र के व्यक्ति पेंशन योजना का लाभ ले सकते है।

'हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर करे हरसंभव प्रयास'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिंदी को बढ़ावा देना सभी की जिम्मेदारी बताते हुए कहा है कि यह हमारे मन की अभिव्यक्ति का स्वरूप है और हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की प्रतीक भी है और इसके प्रचार-प्रसार के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह केवल एक संवैधानिक निर्देश ही नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता भी है।

शर्मा सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित मध्य पश्चिम एवं उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी के सम्मान, प्रयोग और प्रसार में अपनी पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए हमें हर स्तर पर, हर क्षेत्र में इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। यही हमारी असल पहचान है। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सकती है। उन्होंने डिजिटल युग में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में हिंदी को डिजिटल प्लेटफार्मों पर भी समाहित करना आवश्यक है। इस सम्मेलन में कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के नवीनतम तरीकों और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, सोच और विचारों का सशक्त रूप है। हमारे प्रदेश में हिंदी का प्रशासनिक क्षेत्र में व्यापक प्रयोग हो रहा है। राजकीय विभागों में हिंदी के मानक प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किए हैं। इनके नेतृत्व ने न केवल हमारी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया है, बल्कि देश में आंतरिक सुरक्षा को लेकर अगाध विश्वास पैदा किया है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले पुरुस्कृत सभी संस्थानों और व्यक्तियों को बधाई देते हुए कहा कि इन सभी का योगदान हिंदी के प्रति हमारे लगाव को और मजबूत करता है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने अपने संबोधन में कहा कि हमें देश की सभी भाषाओं का मान-सम्मान रखते हुए हिन्दी को राष्ट्रीय बोलचाल की भाषा बनाने के लिए प्रयास करना होगा। राजभाषा हिंदी का प्रयोग हमारी एकता का सूत्रधार है।

राजस्थान के 20 जिलों में खुलेंगे एग्रो क्लिनिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू/एजेन्सी। राजस्थान में झुंझुनू जिले के किसानों के लिये राहत की खबर है, पहली बार जिला मुख्यालय पर फसलों एवं बगीचों के लिये एग्रो क्लिनिक खोला जायेगा।

कृषि विभाग के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि शुरुआती चरण में 20 जिलों में बनाये जाने वाले एग्रो क्लिनिक के लिये जगह का चयन करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। आमतौर पर फसलों में होने वाले कीट रोगों के कारण अक्सर किसानों को नुकसान हो जाता है। फिलहाल यह सुविधा केवल जयपुर और जोधपुर जिले में ही उपलब्ध है। जिला मुख्यालय पर यह सुविधा शुरू किये जाने से यहां के हजारों किसान फसलों में होने वाले संक्रमण एवं कीट रोगों की समय पर जांच करवा सकेंगे।

सूत्रों ने बताया कि राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में विषय विशेषज्ञों की सुविधा है, लेकिन जिला स्तर पर किसानों को इनकी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में अधिकतर अंधाधुंध उर्वरक एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल करते हैं, जिससे किसानों को फायदा होने के साथ आमजन की सेहत को नुकसान होता है। ऐसे में कृषि आयुक्तालय ने जिला स्तर पर विशेषज्ञों की सुविधा पहुंचाने के लिये एग्रो क्लिनिक खोलने की कवायद शुरू की है। इसके लिये पौध व्याधि और कृषि अनुसंधान अधिकारी कीट के पद स्वीकृत कर दिये गये हैं।

एग्रो क्लिनिक पर करीब 11 लाख रुपये की लागत आयेगी। क्लिनिक में विशेषज्ञ कर्मचारी तैनात किये जायेंगे। सब कुछ ठीक रहा तो इस वित्त वर्ष में किसानों को यह जांच सुविधा मिलनी शुरू हो जायेगी। कृषि विभाग की ओर से दूसरे चरण में इस सुविधा से वंचित रहने वाले जिलों में यह जांच सुविधा शुरू की जायेगी। झुंझुनू के अलावा चूरू, सीकर, जयपुर, अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, धौलपुर, दौसा, टोंक, बीकानेर, पाली, उदयपुर, हनुमानगढ़, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, जोधपुर, कोटा और श्रीगंगानगर जिले में भी एग्रो क्लिनिक खोले जायेंगे।

देवनानी की पहल पर विधानसभा सदन में गतिरोध समाप्ति पर बनी सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर सदन में गतिरोध समाप्त करने पर प्रमुख राजनीतिक दलों में सहमति बनी हैं।

देवनानी की अध्यक्षता में सोमवार को प्रातः उनके कक्ष में प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें यह सहमति बनी। उनकी मध्यस्थता से सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तृतीय सत्र में बुधवार को प्रस्तुत होने वाले बजट से पहले सदन का गतिरोध समाप्त किये जाने पर सभी दलों की सहमति बनी। व्यवधान समाप्त करने के लिए देवनानी ने सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

देवनानी ने बैठक में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष सहित सभी दलों के प्रमुख नेताओं की बातों को सुना। गत दिनों सदन में जो परिस्थितियां और वातावरण बना उस पर देवनानी ने दुःख और पीडा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस पवित्र सदन में ऐसी कोई स्थिति पैदा ना हो।

बैठक में विभिन्न दलों के वरिष्ठ सदस्यों के मध्य सदन को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चलाने के लिए सहमति बनी। देवनानी ने कहा कि प्रतिपक्ष शांतिपूर्वक और गरिमामय तरीके से सदन में मुद्दे उठाये और राज्य सरकार द्वारा उनका समुचित तरीके से जवाब देने की व्यवस्था करें।

देवनानी ने कहा कि बुधवार को सदन में प्रदेश का बजट प्रस्तुत होगा। इस बजट को दोनों पक्ष शांतिपूर्वक सुने। बजट प्रदेश और प्रदेश की आठ करोड जनता के लिए महत्वपूर्ण होता है। सदन में बजट प्रस्तुतिकरण की कार्यवाही को आम जनता भी देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधि अपने आचरण और व्यवहार से जन आकांक्षाओं के अनुकूल आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विधानसभा सदन नियमों, परम्पराओं एवं मर्यादाओं से चलता है। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और बजट सत्र में आसन द्वारा दी गई व्यवस्था के तहत ही सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा।

देवनानी ने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पक्ष के सदस्यों का पूरा सम्मान करना चाहिए।

ऊर्जा मंत्री ने किया 10 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सोमवार को कोटा जिला के सांगोद विधानसभा क्षेत्र के ढोटी में 10 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने ग्राम ढोटी और देवली में आरसीसी पुलिया एवं सीसी मय नाला निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों और ग्रामीणों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले बजट में सांगोद क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण योजनाओं की सौगात मिली थी और आगामी बजट में भी विकास कार्यों की गति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार किसान हितैषी है और किसानों को आर्थिक मजबूती देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बेहतर सड़क और जल प्रबंधन पर जोर

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ढोटी और देवली के सड़क निर्माण कार्य पूरे होने और कंधाफल से ढोटी के जुड़ने के बाद इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे किसानों की उपज को मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा होगी और ग्रामीणों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि परवन सिंचाई परियोजना के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा, देवली क्षेत्र के उन गांवों के लिए भी विशेष परियोजना तैयार की जा रही है, जो अब तक पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के लाभ से वंचित रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन गांवों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डैम बनाकर पानी लिफ्ट किया जाएगा। इससे सिंचाई और पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था होगी, साथ ही गांवों में जल स्तर भी बेहतर होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इस परियोजना के तहत किसानों की जमीन डूब क्षेत्र में नहीं आएगी और औद्योगिक विकास के नए अवसर भी खुलेंगे।

किसानों को मिलेगी निर्बाध बिजली आपूर्ति

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए प्रतिबद्ध है। हर जीएसएस (ग्रिड सब-स्टेशन) पर दो ब्लॉक में दिन के समय 6 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि किसानों को सिंचाई में किसी प्रकार की समस्या न हो।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुरानी नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए संकल्पित हमारी सरकार : सुरेश सिंह रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में वर्षा जल को बांध और एनीकट में रोककर जल भंडारण की परम्परा रही है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार भी ''विकास भी और विरासत भी'' ध्येय अनुरूप जल प्रबंधन के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

रावत सोमवार को उदयपुर शहर में 'बांध सुरक्षा, पुनर्वास एवं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 पर राज्य स्तरीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे जल न्यूनता वाले राज्य में बांधों में सहेजी जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार बांधों को राज्य की आर्थिक समृद्धि का सूचक और मानवीय महत्ती आवश्यकता मानते हुए उनके बेहतर प्रबंधन की दिशा में कार्यरत है।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बांधों के निर्माण, रोके गए जल के बेहतर उपयोग के लिए तंत्र विकसित करना और जल ढांचों की सुरक्षा हमारी सरकार के लिए वर्तमान में अति महत्वपूर्ण कार्य हैं। उन्होंने कहा कि जल संचयन, सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और पीने के पानी में बांधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम बजट में ही वाटरग्रिड की सोच को दर्शाया और अब उस दिशा में आगे बढ़ रही है।

रावत ने कहा कि बांधों के जरिए डाउन स्ट्रीम में जल की निरंतरता बनी रहे और स्थानीय नदियां पुनर्जीवित हो, ऐसे सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियंता निरंतर निगरानी, संभावित दुष्परिणामों की समय पर सही और सटीक जानकारी और उसके निराकरण की एडवांस तैयारी के लिए प्रोफेशनल एप्रोच अपनाएं।

सत्र में केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता राकेश कश्यप ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा बांधों को अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें राजस्थान की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है।

उद्घाटन सत्र के बाद 'बांध सुरक्षा एवं प्रबंधन में राज्य सरकार का दृष्टिकोण', 'बांध सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन में चुनौती व ड्रिप की भूमिका', 'बेस्ट प्रैक्टिस फॉर डैम सेफ्टी मैनेजमेंट एट बीसलपुर डैम अंडर ड्रिप', 'डैम रिहैबिलिटेशन वर्क्स एट माही डैम अंडर ड्रिप' जैसे सत्रों में विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए।

खाद्य सुरक्षा योजना में नए नाम जोड़ने के लिए पोर्टल शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने प्रदेशभर के उन लोगों के लिए राहत की खबर दी है, जो राशन कार्ड होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। सरकार ने खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर दोबारा आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे वंचित परिवार अपने नाम जोड़कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत पात्र लाभार्थी ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA) के तहत नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक आवेदक अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और पंचायत का घोषणा पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

शहरी और ग्रामीण स्तर पर इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू करने के लिए प्रशासन द्वारा सत्यापन कमेटी गठित की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी और ग्राम विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में निकाय कर्मचारी और बूथ लेवल अधिकारी आवेदकों के घर जाकर सत्यापन करेंगे। सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद जिला स्तर पर अपीलीय अधिकारी (एसडीएम) और जिला रसद अधिकारी द्वारा नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की सूची में जोड़े जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़ने की स्थिति जानने के लिए आवेदक खाद्य सुरक्षा पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर Check Beneficiary ऑप्शन के माध्यम से अपने राशन कार्ड की जानकारी भरकर विवरण देख सकते हैं। इस सुविधा के तहत वे यह जान सकते हैं कि उनका नाम योजना में जोड़ा गया है या नहीं।

राज्य सरकार की इस पहल से उन हजारों परिवारों को राहत मिलेगी जो अभी तक किसी कारणवश योजना से वंचित थे। सरकार ने पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द आवेदन करें और इस योजना का लाभ उठाएं।

अपने क्षेत्र में खुद को छात्र समझकर सीखना ही कामयाबी की कुंजी है : कुंवर मानवेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को सीखने की आदत हमेशा बनाये रखने की नसीहत देते हुए सोमवार को कहा कि सदैव खुद को अपने क्षेत्र का विद्यार्थी समझकर निरंतर सीखना ही प्रगति की कुंजी है। सिंह ने यहां 'इंटीग्रल यूनिवर्सिटी' के 16वें दीक्षांत समारोह में आज विभिन्न उपाधियां पाने वाले छात्र-छात्राओं से मुखातिब होते हुए उन्हें अपने ''भाई और बहन'' कहा।

उन्होंने कहा, ''अब आप कहेंगे कि छात्र-छात्राओं को हमने भाइयों और बहनों क्यों कहा? सिर्फ इसलिये क्योंकि हमको भी समाजसेवा और राजनीति के क्षेत्र में काम करते हुए करीब 45 वर्ष हो गये हैं। राजनीति में बड़े पदों पर रहने का भी अवसर मिला है लेकिन उसके बाद भी हम अपने को आज भी इस क्षेत्र का विद्यार्थी मानते हैं।'' सिंह ने कहा, ''मेरी आप सभी से अपील है कि इस बात को हमेशा ध्यान में रखें कि अपने क्षेत्र में चाहे जितनी बुलंदी पर पहुंच जाएं लेकिन खुद को विद्यार्थी ही समझें। जब तक आपको लगेगा कि हम जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं उसके छात्र ही हैं, तब तक आपके पास आगे बढ़ने के रास्ते होंगे। जब आपको लगेगा कि हम तो मास्टर हो गये, तो फिर आपके पास आगे बढ़ने के रास्ते बंद हो जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''आप शिक्षा क्षेत्र के छात्र हैं और मैं समाजसेवा क्षेत्र का छात्र हूं तो उस लिहाज से हम भाई-बहन ही हुए।'' सिंह ने शिक्षण संस्थान के पदाधिकारियों और छात्र-छात्राओं को बधाई भी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय से विभिन्न उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा, भारत युवाओं का देश है। देश की युवा शक्ति होने के नाते आपका ज्ञान, कौशल एवं आपकी मेधा शक्ति देश के आर्थिक विकास की संवाहक बनेगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि योजना आयोग के पूर्व सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अरुण मायरा ने देश के आर्थिक विकास में युवाओं की संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दूसरों को खुले जहन से सुनना किसी भी शिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रम की बुनियादी जरूरत है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे और भी ज्यादा संवेदनशील बनें और समस्याओं को खुले जहन से सुनने, समझने और उनका हल निकालने की योग्यता पैदा करें। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से ही वे समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। मायरा ने कहा, ''पर्याप्त रोजगार सृजन के बिना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि होना दरअसल एक खोखली प्रगति है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में निचले तबके के लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। सरकार को आम लोगों की आय सुगमता और जीवन सुगमता सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये।''

पांच देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में नेपाल और मालदीव सहित पांच देशों के राजदूतों से परिचय पत्र स्वीकार किए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जिन लोगों ने अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए उनमें कंबोडिया के राजदूत रथ मैनी, मालदीव की उच्चायुक्त ऐशाथ अजीमा और सोमालिया के राजदूत अब्दुल्लाही मोहम्मद ओडोवा शामिल थे।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने भी मुर्मू को अपने परिचय पत्र सौंपे।

उच्च न्यायालय ने सत्येंद्र जैन से आरोपों पर बहस टालने की ईडी की याचिका पर जवाब मांगा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आप नेता सत्येंद्र जैन से प्रवर्तन निदेशालय की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उनके खिलाफ धन शोधन मामले में आरोप तय करने पर बहस स्थगित करने की अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने आप नेता की लंबित याचिका में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर आवेदन पर जैन को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई तीन मार्च को तय की है। मुख्य याचिका में जैन ने इस आधार पर आरोपों पर बहस स्थगित करने की मांग की है कि मामले में जांच अभी पूरी नहीं हुई है और न्याय के हित में यह होगा कि आरोपों पर बहस जांच पूरी होने के बाद ही सुनी जाए।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने आवेदन में उच्च न्यायालय से यह भी आग्रह किया कि वह विशेष अदालत को आरोप के बिंदु पर सुनवाई स्थगित करने का निर्देश दे, जब तक कि पूरक अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) दायर नहीं कर दी जाती। ईडी के वकील ने तर्क दिया, एक सीमित सीमा तक मैं याचिकाकर्ता (जैन) की इस बात से सहमत हूं कि जब तक हम पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल नहीं कर देते, आरोपों पर सुनवाई स्थगित कर दी जाए। याचिकाकर्ता को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा, क्योंकि मुख्य याचिका में भी यही प्रार्थना की गई थी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी तीन जनवरी को निचली अदालत के समक्ष अनुसूचित अपराध में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया है और आय से अधिक संपत्ति की मात्रा 1.47 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3.95 करोड़ रुपये कर दी है। ईडी के वकील ने कहा कि सीबीआई मामले में हुए घटनाक्रम के मद्देनजर पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के लिए स्थगन जरूरी था।

गृह मंत्री के बेटे का नाम लेकर भाजपा विधायक से 5 लाख रु. मांगने वाले के खिलाफ मुकदमा

हरिद्वार/भाषा। खुद को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बेटा बताकर हरिद्वार के एक विधायक से फोन पर पांच लाख रुपये मांगने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिले के रानीपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक आदेश चौहान की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार रविवार देर शाम एक अज्ञात फोन नंबर से चौहान के मोबाइल फोन पर कॉल आयी जिसमें फोन करने वाले ने खुद का परिचय अमित शाह के बेटे जय शाह के रूप में दिया और उनसे पार्टी फंड में पांच लाख रुपये चंदा देने को कहा।

इसमें कहा गया कि चौहान को संदेह हुआ और जब उन्होंने संदेह जाहिर किया तो कॉल करने वाले ने उनके साथ अमर्यादित भाषा में बात करते हुए रुपये न देने पर सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देनी शुरू कर दिया। इस मसले पर विधायक ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श किया जिसके बाद उनके जनसंपर्क अधिकारी रोमिश कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए बहादराबाद थाने में तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पित्रोदा की कथित टिप्पणी पार्टी की राय नहीं, चीन सबसे बड़ी चुनौती : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अपनी ओवरसीज इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा की एक कथित टिप्पणी से दूरी बनाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी का विचार नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि चीन, भारत की विदेश नीति, बाह्य सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख पित्रोदा ने एक साक्षात्कार में कथित तौर पर कहा है कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और भारत को चीन को दुश्मन मानना बंद करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पित्रोदा के कथित बयान का हवाला देते हुए सोमवार को प्रमुख विपक्षी दल पर निशाना साधा और दावा किया कि उनकी यह टिप्पणी चीन के समर्थन में दिए गए उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं के बयानों के अनुरूप है। कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सैम पित्रोदा द्वारा चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं। चीन हमारी विदेश नीति, बाह्य सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की करीब पांच साल पुरानी एक टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं। जिसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से चीन की दी गई क्लीन चिट भी शामिल है। चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी 2025 को जारी किया गया था। रमेश का कहना है, ''यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद को इस स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकालने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।''

'विपक्ष को 'पच' नहीं रहा है महाकुंभ'

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने प्रयागराज महाकुंभ को लेकर विपक्षी दलों के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष को दुनिया का यह सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन ''पच'' नहीं रहा है इसीलिए वह इसमें सिर्फ कमी ही ढूंढ़ रहा है।

परिवहन मंत्री सिंह ने सोमवार को बलिया में एक सरकारी कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर दिये जा रहे बयानों के बारे में पूछे जाने पर यादव के पैतृक गांव सैफई के विकास कार्यों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''सैफई में हवाई अड्डा बनाने की क्या जरूरत थी? आप जाकर उनसे पूछिये कि क्या वहां कोई जहाज उतरता है?'' सिंह ने कहा, ''महाकुंभ के बारे में ऐसे लोग गलत बातें कर रहे हैं जो खुद सैफई महोत्सव कराते थे, मुंबई के कलाकारों को बुलाकर वहां नृत्य कराते थे।'' परिवहन मंत्री ने कहा, ''भारतीय संस्कृति को दुनिया में स्थापित करने वाला इतना बड़ा आयोजन विपक्ष को पच नहीं रहा है। □

संभल से कई मुसलमानों के पलायन की खबरों को पुलिस ने खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभलम/भाषा। संभल में कई घरों में ताले लगे होने और लोगों के पलायन की मीडिया में आई खबरों के बीच संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने सोमवार को कहा कि यहां से जो लोग गए हैं, वे संभवत: वही लोग हैं जो पिछले साल 24 नवंबर को हुई हिंसा में शामिल थे। संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, संभल में पलायन की चर्चा है। पिछले साल 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा में करीब 2500 से 3000 लोग शामिल थे। संभल में पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया। पुलिस पर गोली भी चलाई गई। अब तक 79 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, कुछ लोगों के पोस्टर भी चिपकाए गए हैं और उनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जारी की गई हैं। यहां से जो लोग लापता बताए जा रहे हैं, वे संभवत: वही लोग हैं जो उस दिन हुई हिंसा में शामिल थे। उन्होंने कहा कि ''यहां सामान्य जीवन आराम से चल रहा है, बच्चे स्कूल जा रहे हैं, बाजार खुले हैं और पलायन की कोई भी बात पूरी तरह से गलत है।''

एक दिन पहले ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया था, संभल में इस तरह के डर और उत्पीड़न का माहौल बना दिया गया है कि लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। सरकार को संभल के मुसलमानों को निशाना बनाना बंद करना होगा। ओवैसी ने अपने 'एक्स' पोस्ट में एक मीडिया रिपोर्ट भी साझा की।

ओवैसी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए एसपी ने कहा कि 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा में 2500 से 3000 लोग शामिल थे, जिसमें से केवल 79 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, बाकी का हिसाब अपने आप लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों ने अपने फोटो पोस्टर पर देखे होंगे। उसके आधार पर वे लोग यहां नहीं हो सकते। लेकिन, आम जनता में किसी तरह का कोई डर नहीं है। एसपी ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा, लेकिन जो लोग दोषी हैं, जिन्होंने पुलिस पर हमला किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद सुरक्षा कड़ी, फुटओवर ब्रिज पर बेवजह खड़े होने पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुई भगदड़ की घटना के बाद स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बिना किसी वैध कारण के किसी भी व्यक्ति के फुट ओवरब्रिज पर घूमने पर रोक लगाई गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने कई लोगों को बिना किसी कारण के फुट ओवरब्रिज पर खड़े देखा है, जिससे दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों को देरी होती है। अब किसी को भी बिना किसी वैध कारण के फुट ओवरब्रिज पर खड़े होने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा कि प्रयागराज की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए टीम किसी भी प्लेटफार्म पर लोगों की संख्या पर भी नजर रखेगी।

उन्होंने कहा, ''प्लेटफॉर्म नंबर 16 से लेकर प्लेटफॉर्म नंबर 13 तक, हमने हर ट्रेन के डिब्बों की निगरानी और भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया है। इसके अलावा आपात प्रतिक्रिया दल भी तैयार रहेंगे।'' एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के साथ मिलकर स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। रविवार को भी स्टेशन पर काफी भीड़ रही और हजारों यात्रियों को भारी भीड़ के बीच ट्रेनों में चढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मोदीजी ने बिना टिकट रेल यात्रा की अनुमति दी है : प्रयागराज जा रही महिलाओं ने कहा

पटना/भाषा। बिहार में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी उस समय हैरान रह गए जब ग्रामीण महिलाओं के एक समूह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उन्हें बिना टिकट यात्रा करने की अनुमति दी है। उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे बिहार के बक्सर रेलवे स्टेशन पर दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) जयंत कुमार और प्रयागराज महाकुंभ के लिए जा रहे तीर्थयात्रियों के बीच हुई बातचीत का वीडियो वायरल हो गया है। डीआरएम रविवार को महाकुंभ जाने वाले तीर्थयात्रियों की अपेक्षाकृत अधिक भीड़ के मद्देनजर स्टेशन का निरीक्षण कर रहे थे। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की वजह अपेक्षाकृत अधिक भीड़ को ही बताया जा रहा है। रेलवे ट्रैक के पास खड़ी विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के एक समूह को देखकर अधिकारी ने उनसे पूछा कि वे यहां क्या कर रही हैं? उन्होंने बताया कि वे प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ना चाहती हैं। डीआरएम ने पूछा, ''क्या आपके पास टिकट हैं?'' इसके जवाब महिलाओं ने कहा, ''नहीं''। डीआरएम ने सवाल करते हुए कहा, ''आपको किसने बताया कि आप बिना टिकट के यात्रा कर सकती हैं।'' महिलाओं के तुरंत जवाब दिया कि नरेन्द्र मोदी जी ने हमें ऐसा कहा। इसके बाद वहां खड़े लोग मुस्कुराने लगे।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा, बीएसएफ के साथ बातचीत आज शुरू होगी

नई दिल्ली/भाषा। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए सोमवार को नई दिल्ली पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने और बांग्लादेश के अराजक तत्वों द्वारा बीएसएफ जवानों एवं भारतीय नागरिकों पर हमले जैसे मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बीजीबी बांग्लादेश की सीमा की सुरक्षा का जिम्मा संभालता है।

अधिकारियों के मुताबिक, बीएसएफ और बीजीबी के बीच 55वां महानिदेशक स्तरीय सीमा समन्वय सम्मेलन 17 से 20 फरवरी के बीच लोधी रोड स्थित बीएसएफ मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। दोनों बलों के बीच द्विपक्षीय वार्ता मंगलवार को होगी। बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल विमान से भारत पहुंचा और इसमें शामिल सदस्य 20 फरवरी तक यहां रहेंगे। द्विवार्षिक वार्ता में हिस्सा लेने के अलावा वे केंद्रीय गृह मंत्रालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात भी कर सकते हैं। यह वार्ता पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बीएसएफ और बीजीबी के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक होगी।

विशेषज्ञ नए आयकर विधेयक में चुनावी बॉन्ड को शामिल करने से हैरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञ नए आयकर विधेयक, 2025 में चुनावी बॉन्ड से संबंधित प्रावधानों को बरकरार रखने से हैरान हैं। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया था। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसा विधायी चूक या सरकार की इसे किसी अन्य रूप में वापस लाने की मंशा के कारण हो सकता है। चुनावी बॉन्ड का उल्लेख नए आयकर विधेयक की अनुसूची आठ में किया गया है, जो 'राजनीतिक दलों और चुनावी ट्रस्टों की कुल आय में शामिल नहीं की गई आय' से संबंधित है।

न्यायालय ने पिछले साल 15 फरवरी को पारित एक फैसले में केंद्र की गोपनीय राजनीतिक चंदे की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। सरकार ने 64 साल पुराने आयकर अधिनियम की जगह नया आयकर विधेयक पेश किया है। कुल 622 पन्नों का यह विधेयक मौजूदा कानून को सरल ढंग से पेश करता है। मौजूदा कानून कुछ वर्षों में 4,000 से अधिक संशोधनों के कारण जटिल हो गया है।

नए आयकर विधेयक में चुनावी बॉन्ड से संबंधित प्रावधानों के बारे में एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि नए आयकर विधेयक में चुनावी बॉन्ड के प्रावधानों का उल्लेख विधायी चूक के कारण हो सकता है या भविष्य में योजना के संशोधित संस्करण के लिए दरवाजा खुला रखने के लिए जानबूझकर उठाया गया कदम हो सकता है।

'भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते की व्यापक रूपरेखा को अंतिम रूप देंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका कुछ सप्ताह में प्रस्तावित व्यापार समझौते की प्रकृति पर निर्णय लेने तथा इसकी व्यापक रूपरेखा या तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने और 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत पूरी करने की घोषणा की थी।

अग्रवाल यहां पत्रकारों से कहा, ''हमें यह तय करने के लिए कुछ सप्ताह का समय दें कि हम जिस पहले चरण (समझौते के) पर विचार कर रहे हैं उसमें महत्वाकांक्षा का स्तर क्या है और हम जिस समझौते पर पहुंचेंगे उसकी प्रकृति क्या होगी। दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर व्यापक रूपरेखा को अंतिम रूप देने की कोशिश करनी होगी।'' दोनों देशों ने भारत को औद्योगिक वस्तुओं के अमेरिकी निर्यात और अमेरिका को श्रम-प्रधान विनिर्मित उत्पादों के भारतीय निर्यात को बढ़ाकर द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग करने पर भी सहमति व्यक्त की है।

बिना वैध टिकट के रेलवे स्टेशन में प्रवेश की इजाजत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रयागराज में महाकुंभ मेले के कारण बिहार के ज्यादातर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सोमवार को घोषणा की कि वह (रेलवे स्टेशन में) उन लोगों के प्रवेश पर रोक लगा रहा है, जिनके पास वैध यात्रा टिकट नहीं है। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा ने कहा, ईसीआर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले रेलवे स्टेशन पर भीड़ के उचित प्रबंधन के लिए रेलवे ने पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

रेलवे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है और अपेक्षित भीड़ को प्रबंधित करने के वास्ते विस्तृत व्यवस्था की गई है। ईसीआर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी रेलवे स्टेशन पर वैध टिकट नहीं रखने वाले यात्रियों के प्रवेश पर रोक लगाई जा रही है। सीपीआरओ ने कहा, बिहार के सभी रेलवे स्टेशन के प्रवेश बिंदुओं पर उन लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है, जिनके पास वैध यात्रा टिकट नहीं है। हम संबंधित जिलों के स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भी मदद ले रहे हैं। यात्रियों की भारी भीड़ के मद्देनजर अतिरिक्त टिकट काउंटर और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। यह कदम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के दो दिन बाद उठाया गया है, जिसमें 18 लोगों की जान चली गई थी। रेलवे ने भीड़ प्रबंधन के लिए लिए कुछ रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त कर्मचारियों को भी तैनात किया है। महाकुंभ मेले के कारण भारी भीड़ को देखते हुए कई कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन पटना जंक्शन से पहले से ही चलाई जा रही हैं। महाकुंभ मेले के कारण पटना, दानापुर, आरा, गया, सासाराम, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और दरभंगा सहित बिहार के कई रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अचानक बढ़ती संख्या ने रेलवे के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। रविवार को पटना रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज से नीचे गिरने और हाई-वोल्टेज बिजली के तार के संपर्क में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मृतक की शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है।

सुविचार

कुछ सच तो हम पहले से जानते थे, बस देखना चाहते थे कि लोग झूठ कहाँ तक बोल सकते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पित्रोदा का नया शिगूफा

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने काफी दिनों तक 'शांत' रहने के बाद नया शिगूफा छोड़ ही दिया। वह भी ऐसा कि कांग्रेस ने उनके शब्दों से किनारा कर लिया! पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान पित्रोदा ने अपनी पार्टी की खूब किरकिरी कराई थी। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने एक बार फिर 'मोर्चा' संभाल लिया है। पित्रोदा ने चीन के बारे में जो बयान दिया, उसका हकीकत से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। यह कहना कि 'अब समय आ गया है कि सभी देश आपस में सहयोग करें, न कि टकराव रखें', एक अच्छी भावना जरूर है, लेकिन उस स्थिति में क्या किया जाए, जब हम तो मैत्री रखना चाहें और हमारा पड़ोसी झगड़ा करने के बहाने ढूंढ़ता रहे? भारत ने चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए कितनी ही कोशिशें कर लीं, उनका नतीजा क्या रहा? चीन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के साथ कितना बड़ा विश्वासघात किया था? पित्रोदा नहीं जानते कि गलवान घाटी में क्या हुआ था? जब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी के कारण हाहाकार मचा हुआ था, उस समय चीन हमारी जमीन हड़पने के लिए साजिशें रच रहा था। कौन भूल सकता है हमारे उन बलिदानियों को, जिन पर चीनी फौजियों ने नुकीले डंडों के साथ धोखे से हमला किया था? इसके बावजूद पित्रोदा कह रहे हैं कि 'हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही टकराव वाला रहा है और इस रवैए से दुश्मन पैदा होते हैं'! यहां टकराव कौन पैदा कर रहा है? अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' कहकर उस पर अवैध दावा कौन करता है? भारतीय इलाकों का चीनी नामकरण करते हुए उनकी सूची कौन जारी करता है? नत्थी वीजा मामले के जरिए संबंधों को कौन बिगाड़ना चाहता है? अरुणाचल प्रदेश में विकास परियोजनाओं का विरोध कौन करता है?

ऐसे सैकड़ों सवाल हैं, जिनका जवाब एक है- चीन। सैम पित्रोदा एक काल्पनिक आदर्शवाद की पैरवी करते हुए यह कहने को स्वतंत्र हैं कि 'यह मानना बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही दुश्मन है', इससे हकीकत तो नहीं बदल जाएगी। वास्तव में चीन का सत्तारूढ़ वर्ग अत्यंत धूर्त मानसिकता रखता है। उसने पहले तो 'हिंदी-चीनी, भाई-भाई' का नारा लगाते हुए हमारी पीठ में छुरा घोंपा। उसके बाद पाकिस्तान जैसे देश को वित्तीय एवं सैन्य सहायता देकर भारत के लिए चुनौतियां खड़ी कीं। चीन हमारे पड़ोसी देशों में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। नेपाल, मालदीव जैसे देश, जिनकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक भारत पर निर्भर करती है, वे भी चीन के प्रभाव में आकर हमें आंखें दिखाते रहते हैं। अगर चीन इतना ही 'मानवता का प्रेमी' है तो पीएलए ने तवांग सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश क्यों की थी? वहां भारतीय सैनिकों ने चीनी फौजियों का 'उचित रीति से स्वागत-सत्कार' किया था। अब सवाल है- चीन के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए? हमें यहां अतीत के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा। भले ही चीन के आम नागरिकों के मन में भारत के प्रति वैसी कटुता नहीं है, जैसी पाकिस्तानियों में देखने को मिलती है, लेकिन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों और गतिविधियों में 'भारतविरोध' साफ झलकता है। चीन एशिया समेत पूरी दुनिया में अपना दबदबा चाहता है। उसका प्रचार तंत्र बड़ा सुदृढ़ है, जो दर्जनों भाषाओं में दिन-रात यह बताता रहता है कि 'चीन में खुशहाली है, यहां कोई बड़ी समस्या नहीं है, यह निवेश करने के लिए सबसे अनुकूल देश है, इसकी फौज अजेय है'! चीनी मीडिया में सरकारी भ्रष्टाचार, मनमानी, अत्याचार, बेरोजगारी, महंगाई, युवाओं में निराशा, अकेलापन आदि के बारे में न के बराबर जानकारी मिलती है। कोई उद्योगपति हो या सेलिब्रिटी, उसने सरकार की जरा-सी आलोचना कर दी तो उसे 'गायब' कर दिया जाता है। चीन की चुनौती का ज्यादा दृढ़ता से सामना करने के लिए बहुत जरूरी है कि भारत आर्थिक दृष्टि से खूब मजबूत बने, तकनीकी विकास को बढ़ावा मिले, सुरक्षा बलों के पास अत्याधुनिक साजो-सामान हो और देशवासियों में एकता हो। फिर भी चीन अपनी हरकतों से बाज़ न आए तो ड्रैगन को नकेल डालने का फॉर्मूला लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह बहुत पहले बता चुके हैं। सैम पित्रोदा जो कुछ कह रहे हैं, उस पर अमल किया तो चीन की उद्दंडता बहुत बढ़ जाएगी।

ट्वीटर टॉक

रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित वेदारण्य हेरिटेज एंड हीलिंग फेस्टिवल (वाह फेस्ट) में भागीदारी की। विश्व की ओपन आर्ट गैलरीशेखावाटी में श्रुति फाउंडेशन का आयोजन अनुकरणीय है। श्रुतिनाडा पोद्दार जी और गीता चंद्रन जी का आभार!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कोटा में कैमिकल फैक्ट्री में गैस रिसाव से कई स्कूली बच्चों के बेहोश होने की ख़बर अत्यंत चिंताजनक है। गैस रिसाव से प्रभावित विद्यार्थियों को सरकार तत्काल उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं एवं घटना की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे।

-गोविंद सिंह डोटासरा

मुख्यमंत्री निवास पर योग गुरु स्वामी रामदेव जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय सानिध्य प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास एवं योग के माध्यम से जन-जन के स्वास्थ्य संवर्धन पर चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सच्चा राष्ट्रवाद

स्वामी रामतीर्थ जापान यात्रा पर थे। उन दिनों वे उपवास पर थे और केवल फलाहार लेते थे। कहीं स्थानीय यात्रा के लिए वे रेलवे स्टेशन पहुंचे। ट्रेन चलने में काफी वक्त था, इसलिए वे फलों के लिए काफी दूर गए, लेकिन उन्हें फल नहीं मिले। लौटकर अपने सहयोगी से बोले, 'भाई! जापान तो फलों के मामले में काफी गरीब देश लगता है, खोजने पर भी मुझे फल नहीं मिले।' कुछ ही देर में एक युवक फलों की टोकरी लेकर डिब्बे में आया और स्वामी जी को सौंप दी। आश्चर्य में डूबे स्वामी जी ने जब युवक से पूछा, तो युवक ने बताया कि वह उनकी बातें सुन रहा था। वह नजदीक ही अपने घर से फल ले आया है। स्वामीजी को काफी प्रसन्नता हुई। उन्होंने फलों का मूल्य देना चाहा, तो युवक ने मना कर दिया। तब स्वामीजी ने कहा कि मैं मुफ्त में ये फल नहीं लूंगा, तो युवक ने उत्तर दिया, 'इन फलों की कीमत उससे कहीं ज्यादा है, जो आप मुझे दे रहे हो।' स्वामीजी ने कौतूहलवश पूछा, 'बताइए, इनकी क्या कीमत है?' युवक ने कहा, 'आप अनेक देशों का भ्रमण करते हैं, तो कृपया कहीं भी जाकर यह न बतायें कि हमारा जापान फलों के मामले में गरीब देश है।'

सामयिक

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

ललित गर्ग

मो. 9811051133

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वार्ताकार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकर्ताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वार्ताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है। भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

नजरिया

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

मो. 9414255034

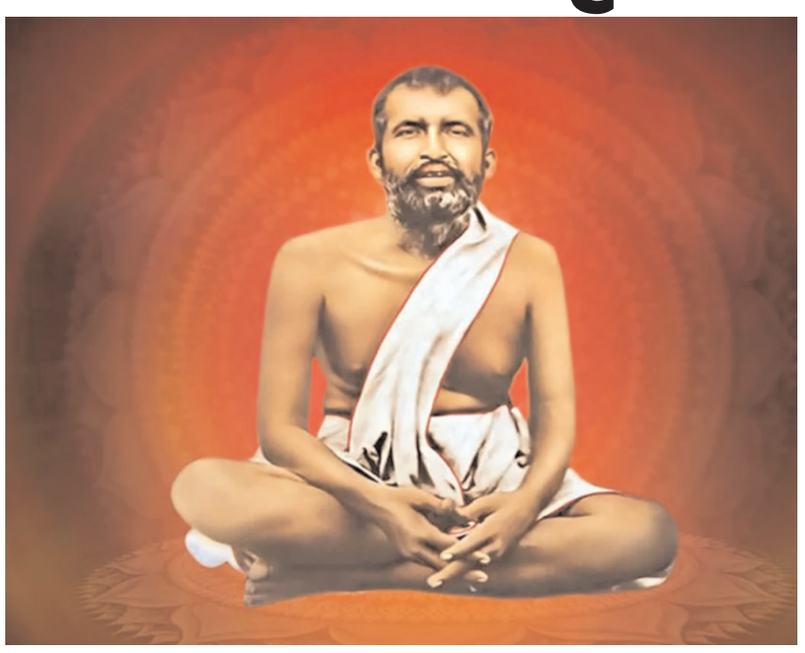

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई। रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे। इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये। रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है।

रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सैम पित्रोदा के चीन संबंधी बयान के लिए भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के एक कथित बयान का हवाला देते हुए सोमवार को प्रमुख विपक्षी दल पर निशाना साधा और दावा किया कि उनकी यह टिप्पणी चीन के समर्थन में दिए गए उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं के बयानों के अनुरूप है।

भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पित्रोदा ने जो कुछ कहा है वह कांग्रेस की मानसिकता का प्रतीक है। भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा कि पित्रोदा ने चीन की सत्तारूढ़ पार्टी के साथ कांग्रेस के समझौते को खुले तौर पर स्वीकार किया है।

त्रिवेदी ने कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा के लिए झटका है और उनके बयानों से ऐसा लगता है कि भारत हमलावर है।

उन्होंने कहा, साफ है कि यह कांग्रेस पार्टी द्वारा चीन के साथ किए गए समझौते की अभिव्यक्ति है... गंभीर मुद्दा यह है कि सैम पित्रोदा ने जिस तरह की टिप्पणी की है, वह भारत की पहचान, कूटनीति और संप्रभुता पर गहरा आघात है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या यह गलवान के शहीदों का अपमान नहीं है? उन्होंने कहा, ''गलवान में हमारे 20 जवान शहीद हो गए और आपके नेता ऐसी भाषा बोल रहे हैं। यह निंदनीय है और भारतीय सेना और हमारे सैनिकों के बलिदान का अपमान है।''

भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य ने विपक्षी दल पर निशाना साधने के लिए भारत में मतदान भागीदारी बढ़ाने के लिए अमेरिकी एजेंसी के धन का इस्तेमाल और पाकिस्तान से कथित संबंध के लिए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ सत्तारूढ़ पार्टी के आरोपों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस के पास बच निकलने का अब कोई रास्ता नहीं है और विपक्षी पार्टी को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

सरकार जांच कर सकती है, लेकिन हम असलियत जानते हैं : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि असम सरकार उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ कथित संबंधों के मुद्दे पर कोई भी जांच करा सकती है, लेकिन वह और उनकी पार्टी जानती है कि असलियत क्या है।

गोगोई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने इस संबंध में भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए एआईसीसी के साथ चर्चा की है और जल्द ही कदम उठाए जाएंगे।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा की ओर से लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के आईएसआई के साथ कथित संबंधों को लेकर हमला किया जा रहा है। गोगोई ने संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री हर दिन अपना रुख बदल रहे हैं लेकिन हम पहले दिन से ही स्पष्ट हैं और जानते हैं कि हमारा रुख क्या है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''इससे पहले मुख्यमंत्री ने मुझ पर हमला किया था और मैं खलनायक था। लेकिन कल से उन्होंने मुझे पीड़ित बना दिया है।'' शर्मा ने रविवार को कहा था कि विपक्षी नेता को किसी बड़ी ''भारत विरोधी'' साजिश में फंसाया या ब्लैकमेल किया गया हो सकता है।

गोगोई ने दावा किया कि शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा ध्यान भटकाने की रणनीति अपनाई जा रही है क्योंकि उन्हें 2026 का राज्य विधानसभा चुनाव हारने का डर है।

बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा छात्रावास में मृत पाई गई, संस्थान परिसर में तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भा:षा। ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा ने अपने छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना के कारण संस्थान के परिसर में तनाव है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। छात्रा की पहचान नेपाल की प्रकृति लामसाल के रूप में हुई है। 'कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी' (केआईआईटी) के रजिस्ट्रार ने बताया कि वह संस्थान में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी। छात्रा के रिश्ते के एक भाई ने भुवनेश्वर में इन्फोसिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उसने कहा कि उसकी बहन ने रविवार को अपने छात्रावास के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

केआईआईटी ने एक बयान में कहा, ''बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाली नेपाल की एक छात्रा ने कल छात्रावास में आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि छात्रा केआईआईटी में ही पढ़ने वाले एक अन्य छात्र से प्रेम करती थी...।'' केआईआईटी ने कहा कि घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पिनाक मिश्रा ने कहा, ''हमने इन्फोसिटी थाने में एक छात्र के खिलाफ छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी छात्र पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य गैजेट जब्त कर लिए हैं। हम मामले की जांच कर रहे हैं।'' डीसीपी ने छात्रों से कानून अपने हाथ में नहीं लेने और शांति बनाए रखने की अपील की। छात्रा की मौत को लेकर केआईआईटी में पढ़ने वाले नेपाल के छात्रों में थोड़ा तनाव था, इसलिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने आक्रोशित विदेशी छात्रों के साथ बातचीत की। केआईआईटी ने कहा, स्थिति को ध्यान में रखते हुए नेपाल के छात्रों को उनके घर भेज दिया गया है। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। नेपाल के कई छात्र रविवार रात केआईआईटी परिसर में एकत्र हुए और न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की दो टुकड़ियां (एक टुकड़ी में 30 जवान) तैनात की गई हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रकाश चंद्र पाल ने कहा कि पुलिस परिसर के अंदर और बाहर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में जुटी है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने कहा, ''पुलिस ने लड़की के कमरे को सील कर दिया है और शव को उसके माता-पिता के आने तक शवगृह में रखवा दिया है।'' सोमवार को नेपाली छात्रों से भरी दो बसें कटक रेलवे स्टेशन पर पहुंची। कटक रेलवे स्टेशन पर एक छात्र ने संवाददाताओं से कहा, हमें छात्रावास का कमरा खाली करने को कहा गया और रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया। हमें 28 फरवरी को परीक्षा देनी थी...। इस बीच, अन्य राज्यों के छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें विश्वविद्यालय के निजी सुरक्षा गार्ड द्वारा छात्रावास से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही। छात्रों और विश्वविद्यालय के निजी सुरक्षा गार्ड के बीच हाथापाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, लेकिन पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता। केआईआईटी अधिकारियों ने छात्रों के उन आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि उन्हें छात्रावास से बाहर जाने की अनुमति नहीं थी।

उच्चतम न्यायालय ने सोलन की महापौर को बहाल किया, उनकी अयोग्यता को 'राजनीतिक गुंडागर्दी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोलन की महापौर उषा शर्मा को शेष कार्यकाल के लिए सोमवार को उनके पद पर बहाल कर दिया और उनकी अयोग्यता को ''राजनीतिक गुंडागर्दी'' का मामला करार दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 20 अगस्त, 2024 के अपने आदेश को पूर्ण घोषित कर दिया, जिसमें सोलन की महापौर की अयोग्यता पर रोक लगा दी गई थी, तथा उनके निष्कासन को 'पुरुष पक्षपात का मामला' करार दिया गया था।

शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, 20 अगस्त, 2024 का अंतरिम आदेश पूर्णतः लागू माना जाएगा। आदेश में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करने पर परिणाम भुगतने होंगे। प्रतिवादियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने जब हस्तक्षेप करने का प्रयास किया तो पीठ ने कहा कि वह फिलहाल आदेश में कोई कड़ी टिप्पणी नहीं करना चाहती, क्योंकि यह 'राजनीतिक गुंडागर्दी' का मामला है। शर्मा के वकील ने कहा कि उनका कार्यकाल अगले वर्ष पूरा हो जाएगा और उन्होंने अदालत से पिछले वर्ष के अंतरिम आदेश को निरपेक्ष बनाने का आग्रह किया।

पिछले साल 20 अगस्त को शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के जून 2024 के आदेश के खिलाफ शर्मा और पूर्व महापौर पूनम ग्रोवर की याचिका पर नोटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने उनकी अयोग्यता को बरकरार रखते हुए हिमाचल प्रदेश के सोलन के महापौर पद के लिए नए चुनाव को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने क्रमशः नगर निकाय की वार्ड संख्या 12 और 8 की पार्षद शर्मा और ग्रोवर को अयोग्य ठहराने वाली 10 जून, 2024 की अधिसूचना को बरकरार रखते हुए उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए तर्क की भी आलोचना की थी। शर्मा और ग्रोवर दोनों को सरकार ने सात दिसंबर, 2023 को महापौर और उप महापौर के चुनाव के दौरान पार्टी के निर्देशों की अवहेलना करने के लिए हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत अयोग्य घोषित कर दिया था।

अदाणी समूह देशभर में 20 स्कूलों की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का योगदान देगा

नई दिल्ली। अदाणी समूह ने देशभर में 20 स्कूलों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की। समूह के संस्थापक गौतम अदाणी के छोटे बेटे की शादी के समय समूह ने परमार्थ कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की थी। समूह ने पहले अस्पतालों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये और कौशल विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने देशभर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेम्स एजुकेशन के साथ गठजोड़ किया है।

फाउंडेशन ने बयान में कहा, ''अदाणी परिवार से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती योगदान के साथ साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी।'' अदाणी ने छोटे बेटे जीत की शादी के समय सामाजिक कार्यों पर 10,000 करोड़ रु. खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

कॉमेडियन समय रैना को आज पूछताछ के लिए पेश होने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ के साइबर एवं सूचना सुरक्षा प्रभाग ने कॉमेडियन समय रैना के आनलाइन बयान दर्ज कराने के अनुरोध को खारिज कर दिया और 18 फरवरी को पेश होने के लिये कहा है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच एजेंसी कर रही है। इलाहाबादिया ने समय रैना के वेब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में माता-पिता और सेक्स को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में अपने शो के लिए मौजूद समय रैना ने महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ से अनुरोध किया था कि उसका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दर्ज किया जाए, लेकिन एजेंसी ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि रैना को 18 फरवरी को एजेंसी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने भी रैना को 17 फरवरी से पहले पूछताछ के लिए खार पुलिस थाने में पेश होने के लिए कहा था और रैना ने विदेश में अपने शो के बारे में जानकारी दी थी।

'इंडियाज गॉट लैटेंट' के यूट्यूबर्स के पेश नहीं होने पर एनसीडब्ल्यू ने सुनवाई की अगली तारीख दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' शो के यूट्यूबर्स द्वारा उनके शो पर की गई 'अपमानजनक और अश्लील'' टिप्पणियों के संबंध में समन के जवाब में पेश होने में विफल रहने के बाद सुनवाई की नई तारीख जारी की हैं। आयोग ने कंटेंट क्रिएटर्स और चर्चित यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना, अपूर्वा मुखीजा, जसप्रीत सिंह, आशीष चंचलानी, तुषार पुजारी, सौरभ बोथरा और बलराज घई को 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे पेश होने के लिए समन जारी किया था। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि व्यक्तिगत सुरक्षा, यात्रा संबंधी प्रतिबद्धताओं और अन्य लॉजिस्टिक समस्याओं का हवाला देते हुए कई लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके।

इलाहाबादिया ने जान से मारने की धमकियों का हवाला देते हुए समन की तारीख को तीन सप्ताह के बाद निर्धारित करने का अनुरोध किया। आयोग ने उनकी सुनवाई को छह मार्च 2025 को पुनर्निर्धारित कर दिया है। मुखीजा ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई में शामिल होने का अनुरोध किया और उनकी सुनवाई भी छह मार्च को पुनर्निर्धारित की गई।

ईडी ने कफ सिरप से जुड़े मादक पदार्थ के मामले में कई राज्यों में छापेमारी की, दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हाल ही में की गई छापेमारी के दौरान उसने उन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो स्वापक नियंत्रण ब्यूरो' (एनसीबी) द्वारा दर्ज किए गए मादक पदार्थ के एक मामले में वांछित थे। छापेमारी के दौरान दो करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण भी बरामद किए गए हैं। ईडी ने कोडीन-आधारित कफ सिरप (सीबीसीएस) की बिक्री और इससे अवैध तौर पर अर्जित आय में कथित तौर पर संलिप्त रईस अहमद भट और अन्य से संबंधित मामले में जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में 13 फरवरी को छापेमारी की थी।

एनसीबी द्वारा 'सीबीसीएस' की तस्करी के एक मामले में दर्ज की गई शिकायत के बाद ईडी इस मामले में धनशोधन की जांच कर रही है। नशीली दवाओं के आदि 'सीबीसीएस' का व्यापक रूप से इस्तेमाल करते हैं। खांसी की दवाई का ब्रांड कोकरेक्स हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में इसके निर्माता विदित हेल्थकेयर से ''अनधिकृत रूप से'' खरीदा गया था और इसका प्रबंध साझेदार हरियाणा के पानीपत निवासी नीरज भाटिया है।

ईडी ने बयान में आरोप लगाया, सिरप को उचित स्थान पर नहीं भेजा गया और फरीदाबाद स्थित 'एसएस इंडस्ट्रीज (मालिक सुमेश सरीन) और एनके फार्मास्यूटिकल्स', 'कंसल फार्मास्यूटिकल्स', 'कंसल इंडस्ट्रीज' और अन्य के माध्यम से इसे बेच दिया गया। दिल्ली के रहने वाले निकेत कंसल और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा इसे 'नियंत्रित' किया जाता था और इसमें उनका साथी गर्व भांभारी (फरीदाबाद में रहते हैं) भी शामिल है। एजेंसी ने दावा किया कि जांच में पाया गया कि 2018-24 के बीच 'कंसल इंडस्ट्रीज', 'कंसल फार्मास्युटिकल्स', 'एनके फार्मास्युटिकल्स', 'नोवेटा फार्मा' और 'एस एस इंडस्ट्री विदित हेल्थकेयर' से कफ सिरप खरीद रही थीं और उन्हें ''अनधिकृत'' तरीके से वितरित कर रही थीं। इसने कहा, ''दवा नियंत्रण के अधिकारियों ने ऐसी कई संस्थाओं के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं।

'राष्ट्रमंडल खेल 2030 ओलंपिक 2036 की मेजबानी के भारत के लक्ष्य के लिये सही कदम'

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ कैटी सेडलेर ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी ओलंपिक 2036 की मेजबानी के भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सही कदम होगा। सेडलेर टाइम्स समूह के ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट के दूसरे दिन की वक्ता थी।

उन्होंने कहा, ''ओलंपिक की मेजबानी अतुल्य उपलब्धि होगी और भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सही कदम होगा।'' सीजीएफ और भारतीय ओलंपिक संघ के बीच राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की संभावना पर अनौपचारिक बातचीत के बाद उनका बयान आया है। सेडलेर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत निकट भविष्य में ओलंपिक में शीर्ष दस टीमों में होगा।

उन्होंने कहा, ''सही नेतृत्व, बुनियादी ढांचा और जुनून के दम पर भारत ओलंपिक में शीर्ष दस देशों में शामिल होने की दहलीज पर है। देश की छवि बनाने में खेलों की भूमिका अहम है और खेल महाशक्ति के रूप में पहचान मिलने से विश्व स्तर पर देश का दबदबा बढता है।'' भारत ने अब तक सिर्फ एक बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की है। भारत ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी का आशय पत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सौंप दिया है जो अगले साल मेजबान पर फैसला लेगी। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के अध्यक्ष लूसियानो रोस्सी ने कहा, भारत दिल्ली ही नहीं बल्कि भोपाल में भी काफी मेहनत कर रहा है।

अमेरिका से निर्वासित लोगों ने खतरनाक 'डंकी रूट' के बारे में बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। मंदीप सिंह से वादा किया गया था कि उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से प्रवेश दिलाया जाएगा, लेकिन उनका जीवन खतरे में पड़ गया और उन्हें मगरमच्छों व सांपों से निपटना पड़ा, सिख होने के बावजूद दाढ़ी कटवानी पड़ी और कई दिनों तक बिना भोजन के रहना पड़ा। लेकिन अमृतसर में अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने का उनका सपना 27 जनवरी को उस समय टूट गया, जब मैक्सिको के तिजुआना के रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश करते समय उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार कर लिया। मनदीप उन 116 भारतीयों में शामिल थे जिन्हें अमेरिकी सैन्य विमान द्वारा वापस भेजा गया। विमान शनिवार देर रात अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा। यह अवैध प्रवासियों के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई के बीच पांच फरवरी के बाद वापस भेजा गया भारतीयों का दूसरा जत्था था। रविवार रात को 112 निर्वासितों का तीसरा जत्था अमृतसर पहुंचा।

अमृतसर में पत्रकारों से बात करते हुए मनदीप (38) ने अपने ट्रैवल एजेंट और उप-एजेंटों द्वारा कराई गई खतरनाक यात्रा के कई वीडियो दिखाए। वादे के अनुसार कानूनी प्रवेश के बजाय मनदीप के ट्रैवल एजेंट ने उन्हें 'डंकी रूट' पर डाल दिया। यह प्रवासियों द्वारा अमेरिका में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अवैध और जोखिम भरा मार्ग है। पंजाब के रहने वाले कई निर्वासितों ने भी मनदीप जैसी ही पीड़ाएं साझा कीं। शनिवार को लौटे निर्वासित लवप्रीत सिंह ने 'डंकी रूट' से गुजरने की कठिनाइयों को साझा करते हुए बताया, पनामा के जंगलों से होकर गुजरना बहुत खतरनाक था। हम किसी तरह सांपों, मगरमच्छों और अन्य जानवरों से खुद को बचाने में कामयाब रहे। अमृतसर जिले के जसनूर सिंह के परिवार ने कहा कि उन्होंने जसनूर को अमेरिका भेजने के लिए 55 लाख रुपये खर्च किये। परिवार के एक सदस्य ने बताया, हमने धन जुटाने के लिए अपनी संपत्तियां, वाणिज्यिक वाहन और एक भूखंड बेच दिया। जसनूर उस अमेरिकी सैन्य विमान में सवार थे जो रविवार को अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 112 भारतीयों को वापस लाया था।

अपनी आपबीती बताते हुए मनदीप ने कहा, जब मैंने अपने एजेंट से बात की तो उसने कहा कि एक महीने के भीतर मुझे कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाया जाएगा। एजेंट ने 40 लाख रुपए मांगे, जो उन्होंने दो किस्तों में चुकाए। यात्रा पिछले साल अगस्त में अमृतसर से दिल्ली की उड़ान से शुरू हुई थी। मनदीप ने बताया, दिल्ली से मुझे मुंबई, फिर नैरोबी और फिर दूसरे देश के रास्ते एम्स्टर्डम ले जाया गया। वहां से हमें सूरीनाम ले जाया गया।

जब मैं वहां पहुंचा तो उप-एजेंट ने 20 लाख रुपये मांगे जो मेरे परिवार ने घर पर चुकाए। मनदीप ने कहा, सूरीनाम से हम एक वाहन में सवार हुए, जिसमें मेरे जैसे कई लोग सवार थे। हमें गुयाना ले जाया गया। वहां से कई दिनों तक लगातार यात्रा हुई। हम गुयाना और फिर बोलीविया से होते हुए इक्वाडोर पहुंचे। इसके बाद समूह को पनामा के जंगलों को पार कराया गया। उन्होंने कहा, यहां हमें साथी यात्रियों ने बताया कि अगर हम बहुत अधिक सवाल पूछेंगे तो हमें गोली मार दी जाएगी। 13 दिनों तक हम खतरनाक रास्ते से गुजरे जिसमें 12 नहरें शामिल थीं। मगरमच्छ, सांप हमें सब कुछ सहना पड़ा। कुछ लोगों को खतरनाक सरीसृपों से निपटने के लिए लाठियां दी गईं। मनदीप ने कहा, हम अधपकी रोटियां और कभी-कभी नूडल्स खाते थे, क्योंकि उचित भोजन तो दूर की बात थी। हम दिन में 12 घंटे यात्रा करते थे। मनदीप ने बताया कि पनामा पार करने के बाद समूह ने कोस्टा रिका में रुककर होंडुरास की यात्रा शुरू की, जहां, हमें अंततः चावल खाने को मिला। मनदीप ने बताया, लेकिन निकारागुआ से गुजरते समय हमें कुछ खाने को नहीं मिला। हालांकि ग्वाटेमाला में हमें किस्मत से दही चावल मिल गया। जब हम तिजुआना पहुंचे तो मेरी दाढ़ी जबरन काट दी गई। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी की सुबह उन्हें बॉर्डर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जब वे अमेरिका में घुसने के लिए सीमा पार कर रहे थे। उन्होंने कहा, अधिकारियों ने हमें बताया कि हमें निर्वासित कर दिया जाएगा। वापस भेजे जाने से पहले हमें कुछ दिनों तक हिरासत केंद्र में रखा गया। गुरदासपुर जिले के रहने वाले लवप्रीत ने बताया कि वह एक साल पहले घर से चले गए थे। लवप्रीत ने कहा, मेरे ट्रैवल एजेंट ने मुझे डंकी रूट से जाने को कहा, जो सुरक्षित नहीं था। पनामा के जंगलों से गुजरना बहुत खतरनाक था। हम किसी तरह खुद को सांपों, मगरमच्छों और दूसरे जानवरों से बचाने में कामयाब रहे।लवप्रीत ने कहा, हमें एक कंटेनर में मेक्सिको ले जाया गया। हमें शौच के लिए भी नहीं जाने दिया गया। अगर हम शौच के लिए कहते तो वे हमें पीटते थे। कपूरथला जिले के बीस वर्षीय निशान सिंह ने भी ऐसी ही आपबीती सुनाई।

पूजा स्थल कानून से संबंधित कई नई याचिकाओं से न्यायालय नाराज, लंबित याचिकाएं अप्रैल में सूचीबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम पर कई याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ 1991 के कानून से संबंधित लंबित नोटिस के बाद की याचिकाओं पर अप्रैल में सुनवाई करेगी। पूजा स्थल से संबंधित अधिनियम में किसी धार्मिक स्थान के धार्मिक चरित्र को 15 अगस्त 1947 के अनुसार बनाए रखने का प्रावधान है।

शीर्ष अदालत ने हालांकि समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और कैराना से सांसद इकरा चौधरी जैसे उन याचिकाकर्ताओं को नए कानूनी आधारों का हवाला देकर लंबित याचिकाओं में हस्तक्षेप के लिए आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता प्रदान की, जिन्होंने हाल में याचिकाएं दायर की हैं और इन पर नोटिस जारी नहीं किए गए हैं। जिन नई याचिकाओं पर अब तक नोटिस जारी नहीं किए गए थे, उन्हें खारिज करते हुए प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा, रिट याचिकाकर्ता नए आधारों को उठाते हुए (हस्तक्षेप) आवेदन दायर कर सकते हैं। पीठ ने कहा, ''हम दायर की गई नई याचिकाओं की संख्या को देखते हुए यह आदेश पारित करने के लिए बाध्य हैं। लंबित रिट याचिकाएं (अगर कोई हो तो), जिन पर कोई नोटिस नहीं है, अतिरिक्त आधारों को उठाते हुए आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता के साथ खारिज की जाती हैं। नए आईए' (अंतरिम आवेदन) को केवल तभी अनुमति दी जाएगी जब कोई नया बिंदु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में नहीं उठाया गया हो।'' इसके बाद पीठ ने 1991 के कानून से संबंधित याचिकाओं और अन्य याचिकाओं को एक अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। अदालत की कार्यवाही शुरू होने पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने नए आधार उठाए हैं... हमारे लिए पहले से दायर की गई याचिकाओं के अलावा अन्य याचिकाओं पर विचार करना असंभव हो जाएगा।'' वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने पीठ से सहमति जताते हुए कहा कि इस मुद्दे पर कोई नई याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पुराने याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने याचिकाओं पर केंद्र द्वारा जवाब दाखिल नहीं करने का मुद्दा उठाया और कहा कि इस उद्देश्य के लिए सरकार को अंतिम अवसर दिया जाना चाहिए। इससे पहले शीर्ष अदालत ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की वैधता से संबंधित मामले में कई याचिकाएं दायर किए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

वित्त मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

गति एम.एस.एम.ई. के विकास में

केन्द्रीय बजट 2025-2026

छोटे उद्योगों को मजबूती देने के लिए उठाये गए बड़े कदम

सभी MSME के वर्गीकरण हेतु निवेश सीमा 2.5 गुना और टर्नओवर सीमा दुगनी

बेहतर क्रेडिट गारंटी:
- सूक्ष्म और लघु उद्योग: ₹5 करोड़ से ₹10 करोड़ तक
- स्टार्टअप्स: ₹10 करोड़ से ₹20 करोड़ तक
- अच्छा प्रदर्शन करने वाले निर्यातक MSME: ₹20 करोड़ तक

'उद्यम' पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्योगों के लिए ₹5 लाख की सीमा वाले क्रेडिट कार्ड

चमड़ा और फुटवियर उद्योग के लिए समर्पित विशेष योजना द्वारा ₹4 लाख करोड़ टर्नओवर और 22 लाख नौकरियां, क्रस्ट लेदर निर्यात पर 20% छूट और वेट ब्लू लेदर आयात पर सीमा शुल्क शून्य

पहली बार उद्यमी बन रहीं 5 लाख महिला और SC/ST उद्यमियों को अगले 5 वर्षों में ₹2 करोड़ तक के ऋण

LI-ION

मोबाइल और इलेक्ट्रिक गाड़ियों की लिथियम-आयन बैटरी के घरेलू निर्माण को बढ़ाने के लिए 63 नए कैपिटल गुड्स पर छूट

DUTY FREE

कोबाल्ट पाउडर, लिथियम-आयन बैटरी स्क्रैप, सीसा, जस्ता समेत 12 क्रिटिकल मिनरल पूरी तरह से BCD मुक्त

व्यापार से जुड़े डॉक्यूमेंटेशन और फाइनेंस को आसान बनाने, गैर-टैरिफ वाली रुकावटों को कम करने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाने के लिए एक साझा प्लेटफॉर्म 'भारत ट्रेड नेट'(BTN)

1 अप्रैल 2030 से पहले इनकॉर्पोरेटेड स्टार्टअप्स के लिए अब लाभ उपलब्ध

CBC 15201/13/0010/2425

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.